वर्ष : 33 | अंक : 244 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, बुधवार, 20 नवंबर 2024 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

DBD दो बजे दोपहर

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

महाराष्ट्र में 'कैशकांड'

- रोहित पवार की कंपनी का अधिकारी भी पैसे बांटते गिरफ्तार

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर वोट के बदले पैसे बांटने का आरोप लगा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग से ठीक पहले नालासोपारा में मंगलवार को राजनीतिक उथल-पुथल मच गई। भारतीय जनता पार्टी (BJP) के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर वोट के बदले पैसे बांटने का आरोप लगा। यह आरोप बहुजन विकास अघाड़ी (VBA) के कार्यकर्ताओं ने लगाया। कार्यकर्ताओं ने उस होटल के बाहर हंगामा किया जहां तावड़े एक बैठक कर रहे थे। बीवीए विधायक क्षितिज ठाकुर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बीजेपी पर

पैसे बांटने का आरोप लगाया और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने होटल की तलाशी ली और 9.93 लाख रुपए नकद और कुछ दस्तावेज बरामद किए। चुनाव आयोग ने वीबीए की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए तावड़े के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। तावड़े ने आरोपों से इनकार किया है और निष्पक्ष जांच की मांग की है। बीजेपी ने आरोपों को निराधार बताते हुए इसे विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की हताशा भरी चाल बताया है।

विपक्ष कर रहा है बदनाम करने की साजिश

इस मामले में अपने सहयोगी विनोद तावड़े के बचाव में उतरते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा है कि तावड़े राष्ट्रीय महासचिव हैं और क्या उस पद पर बैठे लोग इस तरह से पैसे बांटेंगे? इस पर विचार किया जाना चाहिए। चूंकि चुनाव हाथ से निकल चुका है, इसलिए विपक्ष भाजपा और तावड़े को बदनाम कर रहा है। राजनीतिक विरोधियों ने फिल्म बनाई, विरोधियों ने मीडिया मैनेजमेंट किया, और तावड़े साजिश का शिकार बनाने का प्रयास किया।

होटल की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग बंद

ठाकुर ने आरोप लगाया कि तावड़े जिस होटल में रुके थे। उसने सीसीटीवी रिकॉर्डिंग बंद कर दी थी। उन्होंने कहा कि होटल प्रशासन तावड़े और बीजेपी के साथ मिला हुआ लगता है। हमारे अनुरोध के बाद ही उन्होंने अपना सीसीटीवी चालू किया। तावड़े मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए पैसे बांट रहे थे। इस घटना का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें तावड़े और वीबीए नेताओं के बीच बहस होती दिख रही है।

'विनोद तावड़े को पीएचडी मिलनी चाहिए'

शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकुर ने कहा कि विनोद तावड़े को पीएचडी मिलनी चाहिए। उनकी (व्यंग्यात्मक रूप से) प्रशंसा की जा रही है कि उन्होंने कुछ राज्यों में सरकारें गिराईं और कुछ राज्यों में बीजेपी की सरकारें बनाईं। असली वजह क्या है? यह बीजेपी का नोट जिहाद है। यह पैसा बांटकर जीतने जैसा है। अब हमें देखना होगा कि चुनाव आयोग क्या करता है? मामला दर्ज करके इसे खत्म नहीं किया जाना चाहिए, कार्रवाई होनी चाहिए।

'बीजेपी की पोल खुली'

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि बीजेपी की पोल खुल गई है। ठाकुर ने वही किया है जो चुनाव आयोग को करना चाहिए था। चुनाव आयोग के अधिकारी हमारे बैग की तलाशी लेते हैं और हमारी जांच करते हैं, फिर भी बीजेपी के इन व्यक्तियों की ऐसी कोई जांच नहीं होती है। राउत ने आगे कहा कि बीजेपी चाहे जितना भी छिपाने की कोशिश करे। नालासोपारा-विरार में जो हुआ वह कैमरे के सामने हुआ। उन्होंने तावड़े के पास भारी मात्रा में नकदी होने की बात का भी जिक्र किया और आरोप लगाया कि उनके पास 18 लोगों के नाम हैं जो पुलिस सुरक्षा के साथ पैसे बांटते हैं।

चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग

तावड़े ने की चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि सबूतों के आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए। वरना महाराष्ट्र खुद कार्रवाई करेगा। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि एक वीडियो में भगवा रंग की पोशाक पहने हुए व्यक्ति बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े हैं। इनके पास से बड़ी मात्रा में पैसा बरामद होने की खबर है। वह विरार पूर्व इलाके में 5 करोड़ रुपए नकद से भरे एक काले बैग और 15 करोड़ रुपए के विवरण वाली एक डायरी के साथ पकड़े गए थे।

पटोले ने बीजेपी पर सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया

एनसीपी (एसपी) प्रवक्ता क्लाइड क्रास्टो ने गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में जब भी पैसे बरामद होते हैं तो उसका संबंध अक्सर बीजेपी से जुड़ा होता है। अगर यह साबित हो जाता है तो विनोद तावड़े और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। यह न केवल चुनाव मानदंडों का उल्लंघन है बल्कि लोकतंत्र का मज़ाक उड़ाना है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने बीजेपी पर सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करने और आगामी विधानसभा चुनावों में हार के डर से वोट खरीदने के लिए पैसे बांटने जैसे भ्रष्ट आचरण में शामिल होने का आरोप लगाया।

रोहित पवार भी फंसे

डीबीडी संवाददाता । सतारा

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वोट के बदले नोट बांटने का मामला थमता नजर आ रहा है। बीजेपी के महासचिव विनोद तावड़े के कैश कांड का खुलासा होने पर बवाल मचा ही था कि अब शरद पवार के पोते रोहित पवार की कंपनी बारामती एग्रो के एक अधिकारी मोहिते को पैसे बांटते हुए पकड़ा गया है। मोहिते सतारा कर्जत जामखेड विधानसभा में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए नोट बांट रहा था। पुलिस ने उसके पास से एक लिस्ट भी बरामद की है। इस लिस्ट में यह पूरा विवरण है कि किस किसको पैसे दिए गए हैं और किन लोगों को पैसे दिए जाने हैं।

होटल में मिले 1.98 करोड़ रुपए

डीबीडी संवाददाता । नासिक

महाराष्ट्र में कैश कांड के बाद सियासी हंगामा मचा है। इस बीच नासिक के एक होटल से 1.98 करोड़ रुपए की नकदी बरामद की गई है। नासिक के जिला मजिस्ट्रेट जलज शर्मा ने कहा, ₹ 1.98 करोड़ रुपए जब्त किए गए हैं। व्यय पर्यवेक्षक और टीम आगे की कार्रवाई कर रही है।₹ बता दें कि इससे पहले 12 नवंबर को नवी मुंबई के नेरुल के सेक्टर 16 में स्थित एक मकान से लगभग ढाई करोड़ रुपए जब्त किए गए थे। चुनाव आचार संहिता के दौरान 50 हजार से अधिक नकदी होने पर व्यक्ति को वैध दस्तावेज रखना जरूरी होता है। अगर रकम 50 हजार से अधिक है और कोई वैध दस्तावेज नहीं है तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ चुनाव आयोग कार्रवाई करता है।

मुंबई में 3 लाख नए वोटर डालेंगे वोट

- चुनाव आयोग की पूरी तैयारी
- गुप्त बैठकों पर कसेंगे नकेल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में चुनाव प्रचार मंगलवार के बाद थम गया है। अब आज मतदान होने हैं। खासकर देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में चुनाव आयोग ने बुधवार को होनेवाले मतदान के लिए विशेष तैयारी की है। मुंबई की 36 विधानसभा चुनाव क्षेत्रों में 10117 मतदान केंद्रों पर बुधवार को 10229708 वोटर अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। 20 नवंबर 2024 को सुबह 07:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक मतदान होगा। इस मौके पर मतदाताओं के लिए पर्याप्त सुविधा उपलब्ध करा कर सुगमता पूर्वक मतदान संपन्न कराने की चुनौती का सामना चुनाव आयोग को करना होगा।

चुनाव आयोग ने की तैयारी

मुंबई के शहरी क्षेत्र में 10 और उपनगरीय इलाकों में 26 विधानसभा क्षेत्र स्थित हैं। मुंबई में कुल 420 उम्मीदवार चुनावी अखाड़े में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनमें शहर की 10 सीटों पर 105 तो वहीं उपनगर की 26 सीटों पर 315 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। मतदान के लिए चुनाव आयोग ने 14172 बैलट यूनिट, 12120 कंट्रोल यूनिट और 13131 वीवीपैट के इस्तेमाल की योजना बनाई है। मुंबई में मनपा व अन्य विभागों के 60,000 अधिकारी-कर्मचारियों की चुनाव कार्य में मदद ली जा रही है। इनमें 46816 कर्मचारियों (शहर 11585, उपनगर 35231) और 2241 सूक्ष्म निरीक्षक (शहर 639 व उपनगर 1602) को तैनात किया गया है।

मुंबई में तीन लाख नए वोटर

लोकसभा चुनाव की तुलना में मुंबई में विधानसभा चुनाव के लिए नए मतदाताओं की संख्या 2 लाख 91 हजार 087 बढ़ गई है। इस साल मुंबई में 1 करोड़ 2 लाख से ज्यादा मतदाता अपना वोट दर्ज कराएंगे।

मतदाताओं की संख्या बढ़ी

हालांकि, मतदाताओं की संख्या बढ़ी है, लेकिन मतदान प्रतिशत बढ़ाने में प्रशासन सफल होगा या नहीं, यह तो मतदान के दिन ही पता चलेगा। लोकसभा चुनाव में मुंबई में करीब 47 फीसदी वोटिंग हुई। उत्सुकता है कि क्या इस बार मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा।

स्वच्छ निष्पक्ष चुनाव कराने की चुनौती

मुंबई सहित महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार थमने के बाद अब शांति काल शुरू हो गया है। इस दौरान पूर्ण प्रचार बंदी लागू रहेगी। लेकिन उम्मीदवार व उनके प्रमुख कार्यकर्ता (चूहा मीटिंग) गुप्त बैठकों के जरिए प्रचार जारी रखते हैं। इस दौरान भारी मात्रा में पैसे बांटने के आरोप भी लगते रहते हैं। विधानसभा चुनाव में इस पर नकेल कसने की चुनौती का सामना चुनाव आयोग की टीम को करना होगा।

औरंगाबाद में एक हजार रुपए में बंट रहे नकली वोटर आईडी कार्ड

अंबादास दानवे ने शिवसेना पर लगाया आरोप

डीबीडी संवाददाता । छत्रपति संभाजीनगर

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को मतदान होना है। इससे पहले महायुति और महाविकास अघाड़ी के नेता एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के नेता अंबादास दानवे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में शिवसेना कार्यकर्ता लोगों को उनके मतदाता पहचान पत्र के लिए नकदी की पेशकश कर रहे हैं। महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता दानवे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया कि

पुलिस शिवसेना कार्यकर्ताओं के खिलाफ शिकायतों पर सख्ती से कार्रवाई नहीं कर रही और वह औरंगाबाद पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे पार्टी उम्मीदवार की मदद कर रही है।

लोगों से ले रहे मतदाता पहचान पत्र

अंबादास दानवे ने कहा कि "छत्रपति संभाजीनगर में शिवसेना और भाजपा कार्यकर्ता गरीब लोगों को 1000-2000 रुपए देकर उनके मतदाता पहचान पत्र ले रहे हैं और उनकी उंगलियों पर स्याही लगा रहे हैं।" उन्होंने आरोप किया कि शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं ने इन घटनाओं के बारे में पुलिस को सूचित किया लेकिन अधिकारियों ने सख्त कार्रवाई नहीं की।

दानवे ने चुनाव आयोग से की

उद्धव ठाकरे गुट के नेता अंबादास दानवे ने आरोप लगाया कि पुलिस सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार की मदद कर रही है। दानवे ने कहा कि "मैंने पहले निर्वाचन आयोग से शिकायत की थी और मुझे तय समय सीमा से मात्र 30 मिनट पहले जवाब दाखिल करने को कहा गया।"

बिटकॉइन घोटाले की नकदी का चुनाव में इस्तेमाल कर रहे एमवीए के नेता

पूर्व IPS पाटिल का एमवीए नेताओं पर गंभीर आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पूर्व आईपीएस रवींद्रनाथ पाटिल ने महाविकास अघाड़ी के नेताओं को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि महाविकास अघाड़ी में शामिल एनसीपी शरद की नेता सुप्रिया सुले और महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी में बिटकॉइन की हेराफेरी की। बिटकॉइन के बदले में मिली नकदी का वह विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल कर रहे हैं। पाटिल ने कहा कि वह जांच में सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

अधिकारियों को नेताओं का संरक्षण

पूर्व आईपीएस पाटिल ने आरोप लगाया कि बिटकॉइन घोटाले में पुणे के तत्कालीन पुलिस आयुक्त अमिताभ गुप्ता और साइबर अपराध की जांच को संभाल रही भाग्यश्री नवटके भी शामिल थीं। इनको दोनों नेताओं का संरक्षण मिला था। पाटिल ने कहा कि मेरी कंपनी ने मुझे 2018 में एक मामले की जांच करने के लिए एक क्रिप्टोकरेंसी विशेषज्ञ के रूप में बुलाया था। मुझे 2022 में धोखाधड़ी के आरोपों के तहत गिरफ्तार किया था। मैंने मुकदमे के बाद 14 महीने जेल में बिताए। जब मैं जेल में था तो सोच रहा था कि क्या हुआ था, मामला क्या था और मुझे क्यों फंसाया गया? मेरे साथ अन्य सहकर्मी भी थे। हम सच्चाई का पता लगाने पर काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाफ एक गवाह गौरव मेहता, जो सारथी एसोसिएट्स नामक एक ऑडिट फर्म का कर्मचारी है। दो दिन पहले उसने मुझे 4-5 घंटे तक कई बार फोन किया, लेकिन मैंने कोई जवाब नहीं दिया। जब मैंने उसका फोन उठाया तो उसने मुझे बताया कि 2018 में क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में जब अमित भारद्वाज को गिरफ्तार किया गया था, उसके पास एक क्रिप्टोकरेंसी हार्डवेयर वॉलेट था। उस वॉलेट को तत्कालीन कमिश्नर अमिताभ गुप्ता ने बदल दिया था और दूसरा वॉलेट रख लिया था। मामले में हमें गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन असली अपराधी अमिताभ गुप्ता और उनकी टीम थी।

अनिल देशमुख पर हमला मामला

4 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । नागपुर

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता अनिल देशमुख की कार पर जहां सोमवार रात किए गए पथराव के संबंध में फिलहाल चार अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या के प्रयास के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। मामले पर नागपुर के ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (SP) हर्श पोद्दार ने मंगलवार को बताया कि इस मामले का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए हत्या के प्रयास के आरोप

में चार अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जानकारी दें कि, पूर्व मंत्री देशमुख नारखेड गांव में जब एक जनसभा में भाग लेने के बाद रात करीब आठ बजे कटोल लौट रहे थे, तब कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी गाड़ी पर पथराव किया जिससे वह घायल हो गये। इसके तुरेत बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घोडबंदर रोड पर खड़ी कार में लगी आग, जलकर हुई खाक

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

शहर स्थित घोडबंदर रोड पर पातलीपाढ़ा परिसर में खड़ी कार में आग लगने की खबर मनपा आपत्ति व्यवस्थापन को मिलते ही बालकुम अग्निशमन विभाग के जवान फायर ब्रिगेड गाड़ी के साथ में घटना स्थल पर पहुंच कर आग बुझाने में सफलता मिली। इस आगजनी की घटना में किसी भी तरह का जानमाल की क्षति नही हुई।

ठाणे के मतदाताओं के लिए नया विकल्प

क्यूआर कोड से मिलेगी रियल-टाइम जानकारी

धर्मेंद्र उपाध्याय । ठाणे

महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 20 नवंबर को होने जा रहे चुनाव में ठाणे जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास के तहत 'वन-क्लिक' सुविधा शुरू की गई है, जिसमें मतदाताओं को मतदान केंद्रों के बारे में पता लगाने के लिए केवल क्यूआर कोड स्कैन करना होगा। ठाणे के कलेक्टर और चुनाव अधिकारी अशोक शिंगारे ने संवाददाताओं को बताया कि इस पहल का उद्देश्य मतदाताओं की सुविधा और भागीदारी को बढ़ाना

है, खासकर तब जब चुनाव आयोग ने ठाणे और कल्याण क्षेत्रों में कम मतदान को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने मतदाताओं को जोड़ने और समग्र मतदान में सुधार करने के लिए कई उपाय लागू किए हैं, जिसमें एक क्यूआर कोड प्रणाली शुरू करना भी शामिल है, जो 18 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं का मार्गदर्शन करेगी। अधिकारी ने कहा कि क्यूआर कोड मतदाताओं को उनके निर्दिष्ट मतदान केंद्रों तक पहुंचाएगा, जिससे उन्हें सटीक स्थान और पते जैसी महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी। शिंगारे ने बताया कि सोमवार सुबह तक, ठाणे जिले के कुल 72 लाख मतदाताओं में से 32.7 लाख (लगभग 50 प्रतिशत) ने पहले ही चुनाव विभाग की वेबसाइट और कुछ सार्वजनिक स्थानों पर क्यूआर कोड का उपयोग कर लिया था।

बाबा सिद्दीकी के हत्यारोपी शूटर की पुलिस हिरासत बढ़ी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की एक अदालत ने एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या में गिरफ्तार शूटर शिवकुमार गौतम की पुलिस हिरासत मंगलवार को 23 नवंबर तक बढ़ा दी। पुलिस ने गौतम की रिमांड बढ़ाने का अनुरोध करते हुए कहा कि वह जांच में सहयोग नहीं कर रहा और गोलीबारी में इस्तेमाल हथियार तक बरामद नहीं हुआ है। मुंबई पुलिस ने यूपी एसटीएफ के साथ संयुक्त अभियान में गौतम और चार अन्य को 10 नवंबर को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया था। इनमें अनुराग कश्यप, ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी,

आकाश श्रीवास्तव और अखिलेंद्र प्रताप सिंह शामिल हैं। इन सभी को मंगलवार को स्थानीय अदालत में पेश किया गया। अदालत ने गौतम की पुलिस हिरासत बढ़ा दी, जबकि अन्य को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मतदान को लेकर मेट्रो, बेस्ट और रेलवे की खास पहल

सुबह 4 बजे से देर रात तक चलेंगी सार्वजनिक गाड़ियां

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में कल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर परिवहन विभाग ने विशेष पहल की है। यात्रियों की सुविधाओं को देखते हुए और चुनाव को आरामदायक और सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए रेलवे, मेट्रो-1, मेट्रो-3 और बीएसटी ने भी अपनी सर्विस को सुबह 4 बजे से रात 1 बजे तक चलाने का फैसला किया है। इसके लिए मेट्रो-1 (वर्सोवा- अंधेरी- घाटकोपर) ने अपने परिचालन समय में बदलाव किया है। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि वर्सोवा और घाटकोपर से पहली मेट्रो सुबह 04:00 बजे शुरू होगी, जबकि दोनों स्टेशनों से आखिरी सेवा 21 नवंबर को रात 01:00 बजे तक चलेगी।

मेट्रो-3 ने टाइम टेबल में किया बदलाव

इसके अलावा मेट्रो-3 भी अपनी सर्विस सुबह 4 बजे से रात 1 बजे तक चलाएगी। वहीं, मेट्रो- 2ए (दहिसर वेस्ट – डीएन नगर) और 7 (गुंडावली-दहिसर ईस्ट) के टाइम टेबल में भी बदलाव किया गया है। गुंदावली, डीएन नगर और अंधेरी वेस्ट से पहली मेट्रो सुबह 04:00 बजे रवाना होगी, जबकि इन स्टेशनों से आखिरी सेवा 21 नवंबर को 01:00 बजे तक चलेगी।

मध्य रेलवे चला रहा 12 विशेष लोकल ट्रेन

मध्य रेल 19-20 नवंबर (मंगलवार-बुधवार रात) और 20-21 नवंबर (बुधवार-गुरुवार रात) को चुनाव कर्मियों और जनता की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए विशेष उपनगरीय ट्रेन सेवाएं चलाएगा। ये ट्रेन मुख्य लाइन (सीएसएमटी-कल्याण) और हार्बर लाइन (सीएसएमटी-पनवेल) पर चलेंगी। इन विशेष सेवाओं से कनेक्टिविटी बढ़ाने और चुनाव प्रतिभागियों के सुचारू आवागमन को सुनिश्चित करने की उम्मीद है। हालांकि पश्चिम रेलवे का कहना है कि वे वीक डे का शेड्यूल फॉलो करेगी। बता दें कि कल यानी बुधवार, 20 नवंबर को राज्य की 288 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। मतदान के बाद मतगणना 23 नवंबर हो होगी जिसके बाद राज्य को अपनी नई सरकार मिल जाएगी।

मुंबई पुलिस कमिश्नर ने की लोगों से वोटिंग की अपील

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

आगामी बुधवार यानी 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मुंबई के पुलिस आयुक्त विवेक फणसलकर ने महानगर के लोगों से अपील की है कि वे कल खुलकर मतदान करें और इस दिन किसी प्रकार की छुट्टी की योजना नहीं बनाएं। इस बाबत पुलिस आयुक्त फणसलकर ने मंगलवार को एक वीडियो संदेश में कहा, 'मैं सभी मुंबईवासियों से विनम्र अनुरोध करता हूं कि वे जिम्मेदारी के साथ और शांतिपूर्ण तरीके से अपने मताधिकार का प्रयोग करें।' इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लोगों से मतदान करने की अपील की ताकि उनका भविष्य

''वास्तविक और जिम्मेदार हाथों में'' हो। पुलिस आयुक्त फणसलकर ने कहा कि, ''अपनी लंबी छुट्टी की योजना को रद्द कर दीजिए और बटन दबाने का अवसर नहीं छोड़िए जिससे आप अपनी जिम्मेदारी निभा सकें।'' जो मतदाता कम जागरुक हैं, उन तक यह संदेश भी पहुंचाएं कि वे अपना अत्यंत महत्वपूर्ण वोट बर्बाद न करें और इस उत्साही राष्ट्र के भविष्य के निर्माण में अपना योगदान दें। मतदान करें और मतदान के महत्व का प्रचार करें।''

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

DBD दो बजे दोपहर

4,136 उम्मीदवार लड़ रहे हैं चुनाव

2,086 उम्मीदवार हैं निर्दलीय

150 से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में बागी उम्मीदवार मैदान में

9,63,69,410 पंजीकृत मतदाताओं की संख्या

1,00,186 मतदान केंद्र होंगे

6,00,000 कर्मचारी चुनाव ड्यूटी पर तैनात

आज महामुकाबले का महा मतदान

महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों पर वोटिंग आज

भारतीय जनता पार्टी 149, कांग्रेस 101 सीटों पर लड़ रही चुनाव

6 बड़ी पार्टियों समेत 158 दल मैदान में

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का प्रचार सोमवार शाम को थम गया और अब वोटिंग की बारी है। राज्य की सभी 288 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में बुधवार को मतदान है, जिसमें 4136 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर लगी है। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन (महायुति) सत्ता की हैट्रिक लगाने की कवायद में है तो कांग्रेस की अगुवाई वाला इंडिया गठबंधन अपनी वापसी के लिए बेताब नजर आ रही है। प्रकाश अंबेडकर की वीबीएस से लेकर असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM सहित कई छोटी पार्टियां किंगमेकर बनने की फिराक में है।

अमित बृज/ धीरज सिंह | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को वोट डाले जाएगें। राज्य की 288 सीट के लिए 4136 प्रत्याशी मैदान में हैं। इन प्रत्याशियों के लिए प्रदेश के 9.7 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें पांच करोड़ पुरुष और 4.7 करोड़ महिला मतदाता शामिल हैं। विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा की अगुआई वाली महायुति और कांग्रेस की अगुआई वाले महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के बीच है। ऐसे में दोनों गठबंधनों का चुनावी प्रदर्शन कांग्रेस और भाजपा पर निर्भर करेगा।

किस पार्टी के कितने उम्मीदवार?

- महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी ने सभी 288 सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं।
- बीजेपी 149 सीट पर किस्मत आजमा रही है तो एकनाथ शिंदे की शिवसेना 81 और अजित पवार की एनसीपी ने 59 सीटों पर ताल ठोक रखी है।
- इसी तरह 101 विधानसभा सीट पर कांग्रेस के कैंडिडेट मैदान में है तो शरद पवार की एनसीपी (एसपी) 86 सीट और उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) 95 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।
- बसपा 237 सीट पर किस्मत आजमा रही हैं तो प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी ने 200 सीटों पर प्रत्याशी खड़े किए हैं।
- राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने 125 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं।
- महाराष्ट्र स्वराज पार्टी 32 सीटों पर चुनाव लड़ रही है तो प्रहार जनशक्ति पार्टी 38 सीट और राष्ट्रीय समाज पक्ष 93 सीट पर चुनाव लड़ रही है।
- असुदद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने कुल 17 सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए हैं जबकि समाजवादी पार्टी 9 सीटों पर किस्मत आजमा रही है।
- इन दलों के अलावा करीब 2,086 निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं।

किसकी क्या प्रतिष्ठा दांव पर लगी?

महाराष्ट्र के 2019 विधानसभा चुनाव के नतीजे देखें तो 288 सीटों में से बीजेपी 105 सीटें जीती थी और शिवसेना ने 56 सीटें जीती थी। वहीं, एनसीपी ने 54 और कांग्रेस ने 44 सीटें जीती थी। इसके अलावा करीब 29 सीटें अन्य को मिली थीं, जिसमें 16 सीटें छोटे दलों ने जीत दर्ज की थीं जबकि 13 सीटों पर निर्दलीय विधायक चुने गए थे। बीजेपी-शिवसेना ने मिलकर 161 सीटें जीती थी तो कांग्रेस-एनसीपी 98 सीटें जीतने में सफल रही थीं। एनडीए बहुमत से ज्यादा सीटें जीती थी, लेकिन सीएम पद को लेकर शिवेसना और बीजेपी के रिश्ते बिगड़ गए थे। उद्धव ठाकरे ने बीजेपी से नाता तोड़कर कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बना ली थी। ढाई साल के बाद शिवेसना में बगावत हो गई। एकनाथ शिंदे ने 38 विधायकों के साथ उद्धव का साथ छोड़कर बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बना ली। इसके बाद 2023 में एनसीपी में भी बगावत हो गई और अजित पवार 40 विधायकों के संग सरकार में शामिल हो गए।

2024 की पॉलिटिक्ल केमिस्ट्री

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में एक बार फिर बीजेपी के अगुवाई वाले एनडीए और कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन (महायुति बनाम महाविकास आघाड़ी) के बीच मुकाबला है। इसी गठबंधन के पैटर्न पर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा गया था, महाविकास आघाड़ी सत्तारूढ़ महायुति पर भारी पड़ी थी। महा विकास अघाड़ी ने 31 सीटों पर जीत हासिल की थी जबकि 17 सीटों से महायुति को संतोष करना पड़ा था। लोकसभा चुनावों के नतीजों के आधार पर महाविकास आघाड़ी तकरीबन 160 सीटों पर आगे रही थी जबकि महायुति ने 128 सीटों पर बढ़त हासिल की थी। महायुति और महाविकास आघाड़ी को मिले वोटों में महज 0 ।7 प्रतिशत का अंतर रहा था। ऐसे में 2 से 3 प्रतिशत का वोट स्विंग किसी भी गठबंधन का खेल बना और बिगाड़ सकता है। विदर्भ में कांग्रेस और उत्तर महाराष्ट्र में बीजेपी मजबूत थी। ऐसे ही पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कांग्रेस-उद्धव-शरद पवार की जोड़ी हिट रही तो कोंकण में शिंदे-बीजेपी का दबदबा दिखा था। मुंबई की सीटों पर दोनों ही गठबंधन के बीच बराबर की फाइट रही।

73 सीट से तय होगी सत्ता की दिशा

महाराष्ट्र की कुल 288 सीटों में से करीब एक चौथाई विधानसभा सीट सत्ता के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित हो सकती हैं। पिछले चुनाव में 73 विधानसभा सीटों पर जीत-हार का अंतर दस हजार से कम वोटों का था। ऐसे में इन 72 सीटों पर कुछ वोट के इधर से उधर होने पर सारा खेल ही गड़बड़ा सकता है, जिसके चलते किसी को यह सीटें डरा रही हैं तो किसी की उम्मीद जगाने का काम कर रही हैं। पांच सीटों पर हार-जीत का अंतर एक हजार से कम वोटों का था तो चार सीटों पर जीत-हार का मार्जिन एक हजार से 2 हजार वोटों के बीच था। 28 सीटों पर जीत-हार का अंतर 2 हजार से 5 हजार के बीच था। 36 सीटें ऐसी थी, जहां पर पांच से 10 हजार के वोटों का अंतर रहा था। विधानसभा चुनाव को लेकर जिस तरह राजनीतिक स्थिति बन रही है, उससे सूबे में कम मार्जिन वाली 73 सीटों पर सारा सियासी दारोमदार आकर टिक गया है। इन 73 सीटों पर पिछले चुनाव में जीत का अंतर 10000 वोटों से कम था, जहां कुछ वोटों के हेरफेर से सत्ता का खेल ही बदल जाएगा। पिछले चुनाव के नतीजों को देखें तो कम मार्जिन वाली 73 सीटों में से 28 सीटों पर बीजेपी का कब्जा है। एनसीपी ने 15 तो कांग्रेस ने 12 सीटें और शिवसेना ने 5 सीटें जीती थी। इसके अलावा 13 सीटें अन्य और निर्दलीय ने जीती थी।

2019 के मुकाबले 28 फीसदी बढ़े उम्मीदवार

वर्ष 2019 के राज्य विधानसभा चुनावों की तुलना में इस बार उम्मीदवारों की संख्या में 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस साल 4136 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि 2019 में यह संख्या 3239 थी। इन उम्मीदवारों में 2086 निर्दलीय हैं। 150 से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में बागी उम्मीदवार मैदान में हैं। ये बागी उम्मीदवार महायुति और एमवीए के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

मतदान केंद्र और कितने वोटर्स ?

- वहीं, पंजीकृत मतदाताओं की बात करें तो यह संख्या बढ़कर 9,63,69,410 हो गई है, जो 2019 में 89446211 थी।
- महाराष्ट्र में इस बार 100186 मतदान केंद्र होंगे, जबकि 2019 के विधानसभा चुनाव में 96654 मतदान केंद्र थे।
- राज्य सरकार के करीब छह लाख कर्मचारी चुनाव ड्यूटी पर तैनात होंगे।

इन मुद्दों पर दलों ने लड़ा चुनाव

भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी का गठबंधन 'महायुति', महिलाओं के लिए माझी लाडकी बहिन जैसी अपनी लोकप्रिय योजनाओं के दम पर सत्ता बरकरार रखने की उम्मीद कर रहा है। भाजपा के 'बंटेंगे तो कटेंगे' और 'एक हैं तो सेफ हैं' जैसे नारों को लेकर विपक्षी दलों ने महायुति पर धार्मिक आधार पर मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने का आरोप लगाया है। वहीं, कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के गठबंधन एमवीए ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बंटेंगे तो कटेंगे' और प्रधानमंत्री मोदी के 'एक हैं तो सेफ हैं' नारे की आलोचना की। भाजपा के कुछ सहयोगियों ने हालांकि इन नारों का समर्थन नहीं किया है। अजित पवार ने खुद को इन नारों से अलग कर लिया। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नारों का मतलब स्पष्ट करने का प्रयास किया, जिससे सत्तारूढ़ गठबंधन में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी। एमवीए ने जाति आधारित जनगणना, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करके सत्तारूढ़ गठबंधन के विमर्श का मुकाबला किया। विपक्ष का लक्ष्य उन मतदाताओं से अपील करना था जो सरकार की तरफ से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं।

29% उम्मीदवार दागी, 412 पर हत्या-बलात्कार जैसे गंभीर मामले दर्ज

चुनाव आयोग के मुताबिक निर्दलीय समेत विभिन्न पार्टियों के कुल 4136 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (ADR) ने इनमें से 2201 उम्मीदवारों के हलफनामों की जांच कर एक रिपोर्ट तैयार की है। इसके मुताबिक करीब 29 फीसदी यानी 629 उम्मीदवार आपराधिक छवि के हैं। इनमें से 412 पर हत्या, किडनैपिंग, बलात्कार जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। 50 उम्मीदवार महिलाओं से जुड़े अपराधों के आरोपी हैं।

38 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति, 2201 में सिर्फ 204 महिलाएं

ADR के अनुसार 829 यानी 38 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति हैं। पिछले चुनाव में यह आंकड़ा 32% था। इनके पास औसतन 9 .11 करोड़ रुपए की संपत्ति है। जबकि भाजपा उम्मीदवारों की औसत संपत्ति करीब 54 करोड़ रुपए है। 26 उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है।

686 उम्मीदवारों ने अपनी उम्र 25 से 40 साल के बीच बताई

वहीं, करीब 31% यानी 686 उम्मीदवारों ने अपनी उम्र 25 से 40 साल के बीच बताई है। 317 (14%) की 61 से 80 साल के बीच है, जबकि 2 उम्मीदवार की आयु 80 साल से भी ज्यादा है। इन 2201 में से सिर्फ 204 महिला उम्मीदवार हैं, जो करीब 9% होता है।

47% प्रत्याशी 5वीं से 12वीं पास

प्रत्याशियों के एजुकेशन क्वालिफिकेशन की बात करें तो 47% ने अपने आपको 5वीं से 12वीं के बीच घोषित किया है। 74 उम्मीदवारों ने खुद को डिप्लोमा धारक, 58 ने साक्षर और 10 ने असाक्षर बताया है।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

शतायु जिंदगी के संकल्प

जब देश में हर अट्ठारह नवंबर को राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाने का संकल्प लिया गया तो इसका मकसद दवा रहित प्रणाली के माध्यम से सकारात्मक मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था। जो प्राकृतिक चिकित्सा का उद्देश्य भी है। वर्ष 2018 में इस दिन की घोषणा करके आयुष मंत्रालय ने इस विश्व प्रसिद्ध वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति में प्राकृतिक संसाधनों और गतिविधियों के जरिये प्राकृतिक स्वास्थ्य को ठीक करने का राष्ट्रव्यापी संकल्प लिया। जिसका मकसद प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में ज्ञान व जागरूकता का प्रसार करना था। भारतीय संस्कृति सदियों से प्रकृति की उपासक रही है। हमारे तमाम पर्व, त्योहार, पूजा पद्धति और जीवन शैली प्रकृति के अनुरूप ही रही है। दरअसल, कुदरत के विरुद्ध दिनचर्या और खानपान ही हमारी व्याधियों के मूल में होता है। जितना हम प्रकृति के विपरीत आचरण करते हैं उतना ही मनोकायिक रोगों की चपेट में आते जाते हैं। कुदरत ने भोजन, फलों और मसालों के रूप में तमाम ऐसी चीजें दी हैं जो हमें स्वस्थ रख सकती हैं। धरती में प्रकृति हर पल बदलाव की प्रक्रिया में सक्रिय रहती है। दरअसल, मौसम व प्रकृति के अवयवों में ये बदलाव इतने सूक्ष्म और निरंतर होते हैं कि हम परिवर्तन को महसूस ही नहीं करते कि कब पत्ते बने, कोंपलें फूटी, फूल से फल बने। इसी तरह हमारे शरीर में भी सतत् और सूक्ष्म परिवर्तन निरंतर चलता रहता है जिसे हम दुनियावी फेर में पड़कर महसूस नहीं करते। शरीर की कोशिकाएं हर क्षण बदलती रहती हैं। शरीर बदलते मौसम के अनुरूप खुद को ढालता चलता है। इसी तरह प्राकृतिक चिकित्सा भी कायाकल्प की प्रक्रिया को धीरे-धीरे अंजाम देती है। आमतौर पर माना जाता है कि प्राकृतिक दिनचर्या के दौरान उपचार में 45 दिन का समय लगता है। लेकिन अब भागमभाग की जिंदगी में इसे एक सप्ताह तक सीमित कर दिया जाता है। निस्संदेह प्राकृतिक चिकित्सा की प्रक्रिया में समय लगता है, जिसके लिये रोगी को धैर्य की जरूरत होती है। हमारे पौराणिक ग्रंथों व महापुरुषों की वाणी में प्रकृति के महत्व को देखा जा सकता है। गुरु नानकदेव जी की वाणी का प्राकृतिक जीवन के बारे में गुरबाणी में उल्लेख है- 'पवण गुरु पाणी माता धरति महतु।' यानी पवन हमारे गुरु हैं। यदि हवा प्रदूषित हो जाए तो जीवन पर संकट पैदा हो जाएगा। शुद्ध वायु में ही जीवन है। यदि हम प्राकृतिक संसाधनों को प्रदूषित करते हैं तो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं। दरअसल, प्राकृतिक चिकित्सा हमारी अराजक जीवन शैली को संयमित कर सकती है। कुछ ऐसे रोग जो उपचार योग्य नहीं माने जाते, उन पर अंकुश लगा सकती है। प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र से निकलने के बाद व्यक्ति अपने घर में आहार-विहार को संतुलित करने का प्रयास कर सकता है। हम सूरज के उगने से पहले उठें। धूप में न बैठने से हम विटामिन डी की समस्या से ग्रस्त हो जाते हैं, जिससे शरीर में कई रोग पैदा हो जाते हैं। आमतौर पर विदेशों में लोग नवंबर से जनवरी तक सूर्य स्नान लेते हैं जिससे लोगों को विटामिन-डी मिल जाता है। खतरा तो आर.ओ. का पानी भी है, जो हमारी बोन डेंसिटी कम करता है। दरअसल, आज आम लोग शारीरिक श्रम नहीं करते। खान-पान की चीजों में भारी मिलावट है। बाजार की शक्तियां कई तरह के भ्रम फैलाती हैं। दरअसल, प्रकृति साधना की चीज है। आज इसे हमने साधन बना दिया है। साधना से दूर होते लोग शारीरिक असंतुलन के शिकार होते हैं। वास्तव में अधिकांश आधुनिक रोग काम न करने की बीमारी है। हम लोग दिमाग को थका रहे हैं, शरीर को नहीं थका रहे हैं। इसी वजह से शरीर को भुगतना पड़ रहा है। आदमी पैदल नहीं चल रहा है। स्वस्थ रहने के लिये जरूरी है हम आहार सही ढंग से लें। दरअसल हमारा आहार दवा है। किचन में खानपान की वस्तुओं के औषधीय गुण हमारे खाने को संतुलित बनाते हैं और मौसमी रोग से उपचार करते हैं। रसोई में हल्दी, लौंग, जीरा, काली मिर्च आदि आयुर्वेदिक उपचार में सहायक होती हैं। दरअसल, भागमभाग की जिंदगी में व्यक्ति मेहनत करता नहीं, उठने का समय ठीक नहीं। खाने का टाइम निश्चित नहीं है। देर रात भोजन करना शरीर के साथ अत्याचार करने जैसा है। दरअसल, दवा का उपयोग कम से कम किया जाना चाहिए।

शख्सियत | के के शैलजा

एक आदर्श महिला नेता

के के शैलजा, जिन्हें शैलजा टीचर के नाम से भी जाना जाता है, केरल की एक प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की सदस्य हैं। उनका जन्म 20 नवंबर 1956 को कन्नूर, केरल में हुआ। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी गहरी रुचि थी, जिसके कारण उन्होंने शिक्षक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। उनकी पहचान एक समर्पित और निपुण राजनेता के रूप में बनी, जो जनता की सेवा के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

शैलजा ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत सीपीआई (एम) की सदस्यता ग्रहण करके की। 1996 में वे पहली बार विधायक चुनी गईं और तब से उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। 2016 में जब केरल में एलडीएफ सरकार बनी, तो उन्हें स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण मंत्री बनाया गया। इस पद पर उन्होंने अपनी काबिलियत और दूरदर्शिता का अद्भुत प्रदर्शन किया। शैलजा का नाम खासतौर पर 2018 में निपाह वायरस और 2020 में कोविड-19 महामारी से निपटने के दौरान चर्चा में आया। जब निपाह वायरस केरल में फैल रहा था, तब उन्होंने प्रभावी प्रबंधन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से स्थिति को संभाला। कोविड-19 महामारी के दौरान उनकी नेतृत्व क्षमता की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा हुई। ₹द गार्जियन₹ अखबार ने उन्हें कोविड-19 से लड़ाई में दुनिया की सबसे प्रभावशाली महिलाओं में से एक माना। के के शैलजा की छवि एक ईमानदार, मेहनती और दूरदर्शी नेता की है। वे अपने काम में पारदर्शिता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्राथमिकता देती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में उनकी नीतियों ने लाखों लोगों का जीवन बेहतर बनाया है। आज भी के के शैलजा न केवल केरल, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं। उनका जीवन यह सिखाता है कि समर्पण, ज्ञान और दृढ़ संकल्प के साथ हर चुनौती का सामना किया जा सकता है।

औद्योगिक क्षेत्र से श्रमिकों का कृषि की ओर बढ़ता रुझान

देविंदर शर्मा

शहरों में जाकर काम करने वाले भारत के लोग बड़ी संख्या में अपने गांवों की ओर लौट रहे हैं। ग्रामीण अंचलों के श्रमिकों को 'कम मुनाफादायक' कृषि से शहरी केंद्रों में बेहतर रोज़गार के अवसरों की तलाश में धकेलने वाली नीति-समर्थित चाल पिछले पांच सालों में उलट गई लगती है। रिवर्स माइग्रेशन (गांवों की ओर वापसी) में तेज़ी का संकेत सबसे पहले कोविड-19 महामारी के दौरान मिला, जब लाखों शहरी ग़रीबों ने लंबी दूरी तय की, ज़्यादातर पैदल -जिसे विभाजन के दिनों के बाद लोगों के सबसे बड़े आवागमन के रूप में देखा गया। इस अभूतपूर्व अंतर-राज्यीय या फिर राज्य के भीतर ही हुए स्थानांतरण को पहले अस्थायी माना गया था, लेकिन इस उम्मीद को धता बताते हुए कि महामारी खत्म होने के बाद कार्यबल शहरों में वापस लौट आएगा, अधिकांश प्रवासियों ने अपने मूल स्थान पर ही रहना चुना। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षणों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और नई दिल्ली स्थित मानव विकास संस्थान ने एक रिपोर्ट में पहली बार कृषि संबंधी रोज़गार में लगे लोगों की संख्या में वृद्धि पर मुहर लगाई है। आम धारणा के विपरीत, अनुमान है कि 2020 और 2022 के बीच ग्रामीण कार्यबल में 5.6 करोड़ श्रमिक जुड़े। इससे पता चलता है कि बेरोजगारी के साथ विकास के आलम में, शहरों में उपलब्ध रोजगार अवसर प्रवासियों के लिए अब आकर्षक नहीं रहे। चाहे यह मेन्युफेक्चरिंग क्षेत्र में बनी मंदी की वजह से हो या निर्माण क्षेत्र की नौकरि यों में गिरावट की वजह से, प्रवासियों ने गांव वापसी करना बेहतर समझा।अलबत्ता, इसके बाद सावधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2023-24 ने आर्थिक डिजाइन के अनुसार जनसंख्या परिवर्तन में उलटफेर दिखाया – जो कृषि कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा खेती से दूर चले जाने को लेकर था। रोचक है कि 2004-05 और 2018-19 के 13 साल में 6.6 करोड़ कृषि कार्यबल ने शहरों में छोटे-मोटे रोजगार की तलाश में पलायन किया था लेकिन जेएनयू के अर्थशास्त्री हिमांशु के मुताबिक, अगले पांच सालों (2018-19 से 2023-24) के बीच 6.8 करोड़ लोगों की गांव वापसी हुई। ऐसा नहीं है कि कृषि अचानक से लाभदायक हो गई,लेकिन जिस प्रकार रिवर्स माइग्रेशन की दर ने आर्थिक नीति के आधार पर संरचनात्मक परिवर्तन करवाने के अपेक्षित फायदों को उलट दिया है, उसने दिखा दिया है कि लोगों को खेती छुड़वाने वाली रणनीति व्यवहार्य नहीं थी। पीएलएफएस सर्वेक्षण रिपोर्ट से पता चलता है कि ग्रामीण कार्यबल में कृषि क्षेत्र का हिस्सा 2018-19 में 42.5 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 46.1 प्रतिशत हुआ है, जोकि खेती में फिर से जुड़ा कुल आंकड़ा है- और इसमें युवाओं की बड़ी संख्या है –इससे जो संदेश मिलता है उसे अब और अधिक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जबकि लोकप्रिय आर्थिक सोच एक दोषपूर्ण प्रारूप पर आधारित है, जिसने लोगों को इस क्षेत्र से बाहर करने की चाह से सालों तक कृषि को जानबूझकर घाटे का व्यवसाय बनाए रखा ताकि मजबूर होकर शहरों की और पलायन हो। दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले आंदोलन के बाद कृषकों के प्रदर्शनों में बड़ी संख्या, उचित आय से महरूम रखने के विरुद्ध उनका रोष दर्शाती है। यह साल 1996 था जब विश्व बैंक ने चाहा था कि भारत के 40 करोड़ लोगों को कृषि क्षेत्र से बाहर निकाला जाना चाहिए – जोकि ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी की संयुक्त आबादी के दोगुने के बराबर है – ताकि उन्हें शहरों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़े और वहां श्रमबल उपलब्ध हो। जबकि पलायन में सहायक बनने वाली स्थितियां बनाने के बजाय खेती को व्यवहार्य उद्यम बनाकर कृषि के पुनर्निर्माण पर जोर दिया जाना चाहिए था। यही महात्मा गांधी चाहते थे, और जिस दर से प्रवासी वापस लौटे हैं, उससे पता चलता है कि वे कितने सही थे। इसलिए, अब समय है कि विश्व बैंक की उक्त नीति को खारिज कर कृषि को पुनर्जीवित करने और खेती को एक टिकाऊ, व्यवहार्य और लाभकारी उद्यम बनाने पर फोकस किया जाए। अगर आप अभी भी आश्वस्त नहीं हैं, तो हाल ही में जारी राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण 2021-22 की रिपोर्ट देखें। इसके अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में कृषि में लगी आबादी का हिस्सा काफी बढ़ गया है। साल 2016-17 में 48 प्रतिशत से 2023-24 में 57 फीसदी के उच्च स्तर तक, कृषि परिवारों की संख्या में भारी उछाल स्पष्ट रूप से मूल निवास पर वापसी की ओर इशारा करता है। पंजाब को छोड़कर, जहां कृषि में लगे परिवारों की हिस्सेदारी 2016-17 में 42 प्रतिशत से घटकर 2021-22 में 36 प्रतिशत रह गयी, हिमाचल में 70 से 63 प्रतिशत व गुजरात और कर्नाटक में थोड़ी-बहुत वृद्धि है। कुल मिलाकर,कई राज्यों में कृषि में लगे परिवारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। गोवा में कृषि परिवारों की संख्या 3 फीसदी से बढ़कर 18 प्रतिशत, हरियाणा में 34 से 58 प्रतिशत, उत्तराखंड में 41 से 57 प्रतिशत और तमिलनाडु में 13 से 57 प्रतिशत हो गई है। अधिकांश अन्य राज्य भी कृषि की ओर बढ़ते रुझान को दर्शाते हैं। कारण जो भी हों, आईएलओ, पीएलएफएस और नाबार्ड के ये तीन सर्वेक्षण और अध्ययन रोजगार और आजीविका चुनौतियों का सामना करने में कृषि का महत्व दिखाते हैं, घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में इस क्षेत्र की क्षमता को न भूलें।

जीवन मंत्र | श्री श्री रविशंकर

कैसे पाएं परमानंद ?

> आप ईश्वर से कभी बच नहीं सकते, चाहे आप नकारात्मकता का लंबा रास्ता अपनाओ या तुरंत पहुंचाने वाला सकारात्मक मार्ग। जब दिव्यता उदित होती है, तब परिवर्तन तुरंत होता है- असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर, जड़ पदार्थ से प्रज्ज्वलित आत्मा की ओर!

परमानंद को सरलता से समझा नहीं जा सकता और उसे पाना भी अत्यंत कठिन है। कई जीवन-कालों के बाद परमानंद की प्राप्ति होती है और एक बार पाने पर इसे खोना तो और भी कठिन है। जीवन में आपको तलाश है केवल परमानंद की- अपने स्रोत के साथ आपके दिव्य मिलन की और संसार में बाकी सब कुछ आपको इस लक्ष्य की प्राप्ति से विचलित करता है। असंख्य कारणों, विभिन्न तरीकों से आपको उस लक्ष्य से विमुख करते हैं; लाख बहाने, जो न समझे जा सकते हैं, और न बताए जा सकते हैं, आपको घर नहीं पहुंचने देते। राग और द्वेष से मन चंचल रहता है। केवल जब मन शांत होता है, तब परमानंद उदित होता है। परमानंद वास है दिव्यता का, सभी देवों का। केवल मानव शरीर में ही इसे पाया जा सकता है, अनुभव किया जा सकता है। और एक बार मानव जीवन पाकर, तथा इस मार्ग पर आकर भी यदि आपको यह समझ में नहीं आता, तो आपे बडे.नुकसान में हो।

राग और द्वेष आपके हृदय को कठोर बनाते हैं। यदि हृदय में रूखापन है, तो केवल व्यवहार में विनम्रता से कोई लाभ नहीं। व्यवहार के रूखेपन को सहा जा सकता है, परंतु दिल की कठोरता को नहीं। संसार को यह परवाह नहीं कि आप अंदर से कैसे हो? संसार केवल आपका बाहरी व्यवहार देखता है। परंतु ईश्वर को यह परवाह नहीं कि आप बाहर से कैसे हो, वह केवल आपके अंदर देखते हैं। थोड़ा सा भी राग या द्वेष का अंश कभी अपने दिल में मत बसाओ। इसे गुलाब के फूल की तरह आप रहने दो- ताजा, कोमल और सुगंधित!

यह कैसा भ्रम है- आप किसी व्यक्ति या वस्तु को नापसंद करते हो, और यह आपके हृदय को कठोर बनाता है, और इस कठोरता को निर्मल होने में बहुत समय लगता है। राग और द्वेष ऐसे जाल हैं, जो आपको अनमोल खजाने से दूर रखते हैं। याद रखिए, इस भौतिक संसार में कोई भी चीज आपको तृप्ति नहीं दे सकती। बाहरी दुनिया में संतुष्टि खोजने वाला मन अधिक अतृप्त हो जाता है और यह अतृप्ति बढ़ती ही जाती है; शिकायतें व नकारात्मक स्वभाव दिमाग को कठोर बनाने लगते हैं, वे सजगता को ढक देते हैं और वातावरण में नकारात्मकता का विष फैला देते हैं। जब नकारात्मकता शिखर छूती है, तब एक अत्यधिक फूले हुए गुब्बारे की तरह फूट जाती है और फिर से दिव्यता में आ जाती है।

आप ईश्वर से कभी बच नहीं सकते, चाहे आप नकारात्मकता का लंबा रास्ता अपनाओ या तुरंत पहुंचाने वाला सकारात्मक मार्ग। जब दिव्यता उदित होती है, तब परिवर्तन तुरंत होता है- असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर, जड़ पदार्थ से प्रज्ज्वलित आत्मा की ओर!

जीवन ऊर्जा | रॉबर्ट एफ. कैनेडी: जन्म 20 नवंबर 1925 | जन्म

नेतृत्व का अर्थ है डर के बावजूद आगे बढ़ना

> रॉबर्ट एफ. कैनेडी एक अमेरिकी नेता और वकील थे, जिनका जन्म 20 नवंबर 1925 को हुआ। उन्होंने अमेरिकी अटॉर्नी जनरल और न्यूयॉर्क के सीनेटर के रूप में कार्य किया। वे नागरिक अधिकारों और सामाजिक न्याय के समर्थक थे। 6 जून 1968 को उनकी हत्या हुई, लेकिन उनका आदर्श आज भी जीवित है।

कुछ लोग चीजों को वैसे देखते हैं, जैसे वे हैं, और पूछते हैं क्यों। मैं उन चीजों का सपना देखता हूं, जो कभी थीं ही नहीं, और कहता हूं क्यों नहीं। प्रगति तभी होती है जब साहसी लोग जोखिम उठाकर बदलाव के लिए प्रयास करते हैं। महानता वह नहीं है जो हमें प्रदान की जाती है, यह हमारे कार्यों से परिभाषित होती है।इतिहास उन्हीं लोगों को याद करता है, जो अपने लक्ष्य के लिए डटकर खड़े रहते हैं। जब भी कोई एक व्यक्ति खड़ा होता है और अन्याय के खिलाफ बोलता है, वह इतिहास बदलता है। आप अपने जीवन की गुणवत्ता को केवल अपने लक्ष्यों और उनके प्रति प्रतिबद्धता से बढ़ा सकते हैं। भविष्य उन्हीं का होता है, जो आज उसके लिए तैयारी करते हैं। हर बड़े सपने की शुरुआत साहस से होती है। नेतृत्व का अर्थ है डर के बावजूद आगे बढ़ना। जीवन में सबसे बड़ा जोखिम यह है कि आप कोई जोखिम न लें। यह मत पूछो कि तुम्हारे देश ने तुम्हारे लिए क्या किया। यह पूछो कि तुमने अपने देश के लिए क्या किया। सफलता की ओर पहला कदम आत्मविश्वास है। अपने सपनों को कभी छोटा मत समझो; वे तुम्हारे जीवन को अर्थ देते हैं। बदलाव का इंतजार मत करो; खुद बदलाव बनो। साहस वह शक्ति है जो असंभव को संभव बनाती है। जो लोग अपनी असफलताओं से सीखते हैं, वही जीवन में आगे बढ़ते हैं। किसी भी समस्या को हल करने की कुंजी एक स्पष्ट सोच और मजबूत इरादा है। जब तक हम प्रयास करना बंद नहीं करते, हार कभी स्थायी नहीं होती। दूसरों की मदद करने में ही सच्चा सुख है। सपने देखो, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए जागना भी जरूरी है। एक न्यायपूर्ण समाज में हर व्यक्ति को समान अवसर मिलना चाहिए। सबसे महान नेता वह होता है, जो दूसरों के भीतर महानता देखता है। अपने दिल की आवाज सुनो, यह तुम्हें सही रास्ता दिखाएगी। जो व्यक्ति अंधकार से डरता नहीं, वही प्रकाश की सराहना कर सकता है। एक व्यक्ति भी बदलाव की शुरुआत कर सकता है, अगर वह दृढ़ संकल्प के साथ खड़ा हो।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

माँ व्यक्ति को जन्म देती है और सद्गुरु व्यक्तित्व

चित्त की परम् शांति गुरु के बिना मिलना दुर्लभ है। गुरु की परम कृपा ही जीवन उत्थान एवं जीवन कल्याण का मूल है। माँ व्यक्ति को जन्म देती है और सद्गुरु व्यक्तित्व को जन्म देते हैं।जीवन का श्रेष्ठत्व एवम् दैवत्व रूप बिना गुरु के मार्गदर्शन के कभी भी प्राप्त नहीं किया जा सकता है।गुरु की वाणी शिल्पी की छैनी के समान है।जिसके एक एक प्रहार से पत्थर रूपी जीवन को भी ईश्वर के रुप में गढ़ा जाता है।गुरु कृपा के बिना कोई भी विद्या फलित नहीं होती है। गुरु चरणों के आश्रय से ही अर्जुन,एकलव्य,शिवाजी, विवेकानंद और चंद्रगुप्त जैसे शिष्यों का निर्माण संभव हो पाता है। गुरु पूर्णिमा का पावन दिन उन्हीं सद्गुरु देव भगवान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का है। शुभकामनाएं। मेरे प्रत्यक्ष एवम् परोक्ष दोनो रूपों में मेरे मार्गदर्शक की भूमिका में रहने वाले समस्त गुरुतुल्य महान कृतित्व को आज बारंबार प्रणाम आपकी कृपा सदैव बनी रहे।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

नामुमकिन कुछ भी नहीं !

मिस डेफ एशिया 2018 निष्ठा डुडेजा ने एक कार्यक्रम में मूक-बधिर छात्रों से कहा कि वे सपने देखना कभी बंद न करें। वह पानीपत (हरियाणा) की 24 वर्षीया ग्रेजुएट हैं। प्राग में आयोजित 18वीं मिस एंड मिस्टर डेफ वर्ल्ड-यूरोप-एशिया ब्यूटी पीजेंट 2018 में उन्हें मिस डेफ एशिया 2018 का ताज पहनाया गया था। वह पहली भारतीय हैं, जिन्होंने यह खिताब जीता। निष्ठा को जन्म से ही सुनने में समस्या थी। उनके लिए यह चुनौती थी कि अपनी बात कैसे रखें लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। हियरिंग उपकरणों और स्पीच थेरेपी की मदद से वह रेगुलर स्कूल में जाने लायक बनीं। शुरू से ही वह एथलेटिक मिजाज की थीं। जूडो में उन्हें राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय पुरस्कार मिले। वह टेनिस खेलती थीं। वर्ल्ड डेफ टेनिस चैंपियनशिप और डेफलंपिक्स में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व भी किया। ब्यूटी पीजेंट का खिताब जीतने के बाद उन्हें घर-घर में पहचाना जाने लगा। सपोर्ट स्कूल 'सुनिए' में मूक-बधिर छात्रों से वह बोलीं, मैंने खुद को कभी कमतर नहीं समझा, बल्कि मैं ऐसे लोगों से कम बात करती थी, जो सहानुभूति दर्शाते थे या जबरन जताने की कोशिश करते थे कि मैं नॉर्मल हूं। मैंने कभी किसी से सहानुभूति की अपेक्षा नहीं की। हो सकता है, इससे मुझे मदद मिल जाती या मेरी जिंदगी आसान हो जाती, मगर मेरा आत्मसम्मान खत्म हो जाता। बिना संघर्ष के जिंदगी क्या है? निष्ठा ने कहा कि जब पहली बार 2013 में वह नेशनल गेम्स फॉर डेफ में गईं तो यह देखकर दुखी हुईं कि वहां सैकड़ों बहरे बच्चे साइन लैंग्वेज में ही बात कर पा रहे थे। वह कहती हैं, 'तब मैंने अपने माता-पिता का धन्यवाद किया, क्योंकि यह उन्हीं का फैसला था कि हर हाल में मुझे बोलना सिखाएंगे।' निष्ठा ने सभी माता-पिता से आग्रह किया कि वे अपने गूंगे-बहरे बच्चों के लिए हियरिंग उपकरणों और स्पीच थेरेपी की मदद लें, साथ ही ऐसे बच्चों को रेगुलर स्कूल में भेजें। इससे उन्हें आत्मविश्वास मिलेगा और वे जीवन में बेहतर काम कर सकेंगे।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज़ ब्रीफ

आय से अधिक संपत्ति मिलने के बाद गिरफ्तारी

ढेंकनाल। ओडिशा के ढेंकनाल जिले में मंगलवार को एक उप-जिलाधीश को कथित तौर पर आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति मिलने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि उप-जिलाधीश के पास मिली संपत्तियों में भुवनेश्वर में तीन बहुमंजिला इमारतें और 14 भूखंड, 34.57 लाख रुपए से अधिक की जमा राशि, 1.48 लाख रुपए नकद और 366 ग्राम सोना शामिल हैं। सतर्कता विभाग ने भ्रष्टाचार का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

तमिलनाडु के चेन्नई आ रही उड़ान में मृत मिली महिला

कुआलालंपुर। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर से तमिलनाडु के चेन्नई में मंगलवार को पहुंची एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान में 37 वर्षीय एक महिला मृत पाई गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि दिल का दौरा पड़ने से महिला की मौत हुई। विमान के यहां पहुंचने पर निजी एयरलाइन के चालक दल ने महिला को बेहोश पाया, जिसके बाद चिकित्सकों ने उसकी जांच की। चिकित्सकों ने बताया कि दिल का दौरा पड़ने से महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि पास के सरकारी अस्पताल में शव भेज दिया गया। महिला तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले की रहने वाली थी।

फर्जी दस्तावेजों के साथ पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिक

चित्रदुर्ग। कर्नाटक के चित्रदुर्ग के होललकेरे रोड पर अरविंद गारमेंट्स और व्हाइट वॉश गारमेंट्स के पास ग्रस्त के दौरान धवलागिरी लेआउट के दूसरे चरण में छह बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ लिया गया। पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला कि वे सभी बांग्लादेश के नागरिक हैं। कई साल पहले वे यहां बसने के इरादे से अवैध रूप से घुसपैठ की। उन्होंने कोलकाता में फर्जी आधारकार्ड और दस्तावेज खरीदें और भारत के विभिन्न राज्यों में नौकरी करने लगे। रोजगार के लिए वे हाल ही में चित्रदुर्ग पहुंचे। उनके पास से फर्जी आधारकार्ड, वोटर आईडी कार्ड लेबर कार्ड समेत कई दस्तावेज बरामद किए गए। सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इंडिगो की बंगलूरू-माले उड़ान में आई तकनीकी खराबी कोच्चि की ओर डायवर्ट

बंगलूरू। बंगलूरू से माले जा रहे इंडिगो के विमान में मंगलवार दोपहर को अचानक तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते विमान को कोच्चि की ओर डायवर्ट कर दिया गया। मालदीव की राजधानी माले की ओर जा रहे विमान 6E21 में तकनीकी खराबी की सूचना मिली। इसके बाद विमान को कोच्चि की ओर मोड़ दिया गया। यहां विमान की सफल लैंडिंग हुई।

दो से अधिक बच्चों वाले भी लड़ सकेंगे निकाय चुनाव

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश में अब दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति भी शहरी निकाय चुनाव लड़ सकेंगे। विधानसभा में सोमवार को इस संबंध में एक विधेयक पारित कर दिया। राज्य सरकार ने इस विधेयक के तहत मौजूदा नियम को पलट दिया गया। आंध्र प्रदेश नगरपालिका कानून संशोधन विधेयक, 2024 ने उस नियम को उलट दिया, जो दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने से रोकता था। 1994 में, दक्षिणी राज्य ने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए नगरपालिका नियम बनाए गए थे, जिसके तहत दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को शहरी स्थानीय निकायों में चुनाव लड़ने से रोक दिया गया।

पांच राज्यों की 15 विधानसभा, एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव आज

भाजपा, कांग्रेस और सपा के पास थीं 4-4 सीटें, कांग्रेस के पास थी नांदेड़ लोकसभा

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में बुधवार (20 नवंबर) को 5 राज्यों की 14 विधानसभा और दो लोकसभा सीट पर उपचुनाव की वोटिंग होगी। चुनाव इसलिए खास हैं क्योंकि 13 सीटें सांसद बने विधायकों, 1 सीट विधायक के जेल जाने और 1 विधायक के निधन से खाली हुई। उपचुनाव भाजपा, कांग्रेस, सपा और AAP के लिए अपनी साख बनाए रखने के लिहाज से बेहद अहम है। किन सीटों पर होगा उपचुनाव। किन पार्टियों के बीच है कड़ा मुकाबला। जानिए A टू Z जानकारी।

इन राज्यों में हो रहा चुनाव

उत्तर प्रदेश में 9 सीटों, पंजाब में 4, उत्तराखंड और केरल में 1-1 सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं। इनमें से 2 सीटें अनुसूचित जाति (SC) के लिए आरक्षित हैं। उत्तर प्रदेश में सपा और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर है, जबकि पंजाब में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और भाजपा ने अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं।

यूपी में जातिगत समीकरण के बीच सपा-भाजपा की भिड़ंत

उत्तर प्रदेश में उपचुनाव के दौरान सबसे ज्यादा 9 सीटों पर मतदान होने जा रहे हैं। इनमें से 4 सीटें भाजपा, 4 सीटें सपा और 1 सीट निषाद पार्टी और RLD के पास थी। इन सीटों पर जीत का असर 2027 के विधानसभा चुनावों में चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। इस चुनावी प्रक्रिया में भाजपा ने जातिगत समीकरणों को ध्यान में रखते हुए प्रत्याशी उतारे हैं। भाजपा ने 5 ओबीसी, 2 ब्राह्मण, 1 दलित और 1 क्षत्रिय को टिकट दिया है। सपा ने PDA (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फार्मूला अपनाया है। पेज 6 भी देखें

किस राज्य में किसके पास पहले थी सीट

पंजाब: दलबदलू और वंशवाद की राजनीति

पंजाब के चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने जा रहे हैं। पंजाब में सभी पार्टियों ने दलबदलुओं और राजनीतिक परिवारों पर भरोसा जताया है। भाजपा के सभी चार प्रत्याशी दलबदलू हैं। ऐसे में यह उपचुनाव वंशवाद और दलबदलुओं के मुद्दे पर केन्द्रित हो गया है। कांग्रेस, AAP और भाजपा ने कई दलबदलू नेताओं को मैदान में उतारा है। इन सीटों पर मुकाबला खासकर कांग्रेस और भाजपा के बीच ही देखा जा रहा है। भाजपा ने कांग्रेस से आए मनप्रीत बादल और अकाली दल के पूर्व नेता सोहन सिंह ठंडल को टिकट दिया है। गिद्दड़बाहा में कांग्रेस और AAP के बीच करीबी मुकाबला है।

केरल : निर्दलीय उम्मीदवार ने बढ़ाई रोमांचक लड़ाई

केरल में उपचुनाव दो विधानसभा सीटों पर हो रहे हैं। कांग्रेस और भाजपा के बीच पलक्कड़ विधानसभा सीट पर मुकाबला रोचक होने जा रहा है। कांग्रेस ने राहुल बीआर को प्रत्याशी बनाया है, जबकि भाजपा ने अपने राज्य महासचिव सी कृष्णकुमार को मैदान में उतारा है। साथ ही, निर्दलीय प्रत्याशी पी सरीन ने भी उपचुनाव को रोमांचक बना दिया है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ने चुनावी मैदान में अपनी पूरी ताकत झोंकी है, और इस सीट पर जीतने के लिए हर पार्टी पूरी रणनीति के साथ चुनावी प्रचार कर रही है। संघ के स्वयंसेवक यहां भाजपा को जिताने में जुटे हैं।

उत्तराखंड : भाजपा और कांग्रेस ने लगाए पुराने चेहरों पर दांव

उत्तराखंड में उपचुनाव के दौरान कांग्रेस और भाजपा दोनों ने अपने पूर्व विधायकों पर भरोसा जताया है। भाजपा ने दो बार की पूर्व विधायक आशा नौटियाल को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने इसी सीट से विधायक रहे मनोज रावत को उम्मीदवार बनाया है। इन चुनावों में भाजपा और कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत लगाई है, खासकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी प्रचार में जुटे हुए हैं। यह उपचुनाव उत्तराखंड के आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एक अहम संकेत हो सकता है।

नांदेड़ लोकसभा सीट : चव्हाण परिवार की साख पर सवाल

मराठवाड़ा क्षेत्र की नांदेड़ लोकसभा सीट भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए साख का सवाल बन चुकी है। भाजपा के लिए चुनौती और भी कड़ी है क्योंकि लोकसभा चुनाव में पार्टी को इस इलाके में करारी हार मिली है। कांग्रेस ने दिवंगत सांसद वसंतराव के बेटे रवींद्र चव्हाण को टिकट दिया है। वहीं, भाजपा ने डॉ. संतुक हंबार्डे को मैदान में उतारा है। खास बात यह है कि संतुक के भाई मोहन हंबार्डे नांदेड़ दक्षिण से कांग्रेस के निवर्तमान विधायक हैं और इस बार भी चुनाव लड़ रहे हैं। वे पूर्व CM अशोक चव्हाण के करीबी माने जाते हैं। नांदेड़ कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे (अब भाजपा में हैं) अशोक चव्हाण का गढ़ है। उनके पिता भी CM रह चुके हैं। स्थानीय निकाय, विधानसभा, लोकसभा जैसे तमाम चुनावों में चव्हाण परिवार का दबदबा रहता है। फरवरी, 2024 में चव्हाण के भाजपा में जाने के बाद यहां कांग्रेस की स्थिति खराब मानी जा रही थी, लेकिन वसंतराव की जीत ने सभी को चौंका दिया। महाराष्ट्र चुनाव में चव्हाण की बेटी श्रीजया भी भोकर विधानसभा सीट से अपनी राजनीतिक पारी शुरू कर रही हैं। यह सीट भी नांदेड़ लोकसभा में आती है। यही वजह है कि इस चुनाव में अशोक चव्हाण की प्रतिष्ठा दांव पर है।

इन चुनावों के नतीजे क्यों महत्वपूर्ण?

यह उपचुनाव 2024 के लोकसभा और 2027 के विधानसभा चुनावों की दिशा तय करेंगे। खासकर नांदेड़ लोकसभा और यूपी की विधानसभा सीटों पर परिणाम भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए भविष्य का संकेत हो सकते हैं।

इंदिरा की जयंती पर पीएम और कांग्रेस ने उन्हें किया नमन

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर मंगलवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी और देश के प्रति उनके योगदान को याद किया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शक्ति स्थल पहुंचकर उनके स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। खरगे ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अपनी दक्षता, दृढ़ इच्छाशक्ति, कुशल नेतृत्व, अद्वितीय कार्यशैली और दूरदर्शिता से सशक्त और प्रगतिशील भारत के निर्माण में अग्रणी योगदान देने वाली इंदिरा को भावभीनी श्रद्धांजलि। राहुल पोस्ट किया, 'दादी हिम्मत और मोहब्बत दोनों की मिसाल थीं। उन्हीं से मैंने सीखा है कि निडर होकर देशहित के रास्ते पर चलते रहना असली ताकत है। उनकी यादें मेरी शक्ति हैं, जो हमेशा मुझे राह दिखाती हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि जाति जनगणना और आरक्षण की सीमा बढ़ाने की मांग करके पार्टी इंदिरा के विचारों को ही आगे बढ़ा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी श्रद्धांजलि दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके लिए उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट भी किया।

दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र 29 नवंबर से होगा शुरु

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र का ऐलान हो चुका है। दिल्ली विधानसभा का यह सत्र शुक्रवार 29 नवंबर से मंगलवार 3 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। हालांकि इससे पहले ही विपक्ष ने तेवर तीखे कर लिए हैं। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने विधानसभा के 'शीतकालीन सत्र' में प्रश्नकाल नहीं रखे जाने पर आपत्ति जताई है। उन्होंने प्रश्नकाल रखने की मांग की है। विपक्ष का कहना है कि इस साल किसी भी सत्र में प्रश्नकाल नहीं रखा गया। ऐसा करना विधानसभा सदस्यों के संवैधानिक अधिकारों का हनन करने जैसा है।

हंगामे के आसार

विधानसभा चुनाव से पहले यह सरकार का यह आखिरी विधानसभा सत्र होगा, जिसमें खूब हंगामा होने का आसार है। सदन में मंत्रियों के इस्तीफे, प्रदूषण, दिल्ली की मौजूदा हालात को लेकर चर्चा होगी। सत्र में मौजूदा सरकार वित्तीय वर्ष 2024-25 का संशोधित बजट भी पेश होगा। दिल्ली की मौजूदा सरकार के इस आखिरी विधानसभा सत्र में सरकार जहां अपनी उपलब्धियों को लेकर सदन में चर्चा करेगी।

रूस ने 1000वें दिन न्यूक्लियर वॉर का नियम बदला

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी देशों और यूक्रेन को स्पष्ट संदेश देते हुए एक डिक्री (Decree) पर हस्ताक्षर किया है। इसमें रूस के द्वारा परमाणु हमले के नियम को बदला दिया गया है। रूस ने यह कदम यूक्रेन पर हमले के 1,000वें दिन और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा यूक्रेन को रूस के अंदर सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति देने के बाद उठाया है।

अब परमाणु हमला होगा आसान

नए प्रिंसिपल में कहा गया है कि रूस किसी गैर-परमाणु राज्य के खिलाफ परमाणु हथियारों का उपयोग करने पर विचार कर सकता है, अगर उन्हें परमाणु शक्ति देश का समर्थन हासिल हो। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने यूक्रेन और उसके पश्चिमी समर्थक देशों को स्पष्ट संदेश दिया है। रूस ने अपने संदेश में कहा, "परमाणु सम्पन्न देश की भागीदारी के साथ एक गैर-परमाणु सम्पन्न देश द्वारा आक्रमण को संयुक्त हमला माना जाएगा।"

सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग केस में क्लीन चिट नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले एक के बाद एक आम आदमी पार्टी को बड़े झटके मिल रहे हैं। पहले कैलाश गहलोत के पार्टी छोड़ने से आप की मुश्किलें बढ़ी हैं, वहीं जमानत पर बाहर आए सत्येंद्र जैन के लिए भी बुरी खबर सामने आ रही है। दरअसल, सत्येंद्र जैन ने मनी लॉन्ड्रिंग केस को खारिज करने की याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में लगाई थी। हाईकोर्ट ने इस पर सुनवाई करते हुए इस याचिका को ही खारिज कर दिया है। साथ ही, ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी।

सत्येंद्र जैन की याचिका खारिज होने की वजह

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सत्येंद्र जैन के खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग केस में आप नेता ने ट्रायल पर रोक की मांग करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन के वकील ने कहा कि अगर हमारे पास दस्तावेज नहीं होंगे तो आरोप तय होने पर हम प्रमाण देकर बहस कैसे कर सकेंगे। इस पर हाईकोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी कर इस मामले में अगली सुनवाई 10 दिसंबर के लिए तय कर दी है।

दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हुई हवा

ग्लोबल प्लेटफॉर्म COP29 में गूंजा प्रदूषण का मुद्दा, विशेषज्ञों ने दी चेतावनी

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली की जहरीली हवा ने इस बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हंगामा मचा दिया है। अजरबैजान के बाकू में चल रहे COP29 सम्मेलन में दिल्ली के वायु प्रदूषण पर गंभीर चर्चा हुई। इस सम्मेलन में विशेषज्ञों ने दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता पर चिंता व्यक्त की। पर्यावरणविदों ने इसे एक वैश्विक समस्या करार दिया और स्वास्थ्य संकट के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। इस क्लाइमेट समिट में दिल्ली प्रदूषण को लेकर इंटरनेशनल विशेषज्ञों ने कई चेतावनी दी।

COP29 में दिल्ली पर मंथन

COP29 के दौरान, विशेषज्ञों ने दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि जहरीली हवा का असर लाखों लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। सम्मेलन में स्वास्थ्य आपातकाल और प्रदूषण से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर कदम उठाने की अपील की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि प्रदूषण केवल दिल्ली की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे दक्षिण एशिया को प्रभावित कर रहा है। इसे रोकने के लिए देशों को सामूहिक प्रयास करना होगा।

धुंध में लिपटी दिल्ली, हालात बेहद खराब

दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 494 तक पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे खराब स्तर है। सुबह के समय कुछ इलाकों में AQI 500 से भी अधिक दर्ज किया गया। चारों ओर फैली धुंध और स्मॉग की मोटी परत ने लोगों की सांस लेना मुश्किल कर दिया है। सड़कों पर विजिबिलिटी इतनी कम हो गई है कि यातायात प्रभावित हो रहा है। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में वायु प्रदूषण के गंभीर श्रेणी में होने की पुष्टि हुई है। यह स्थिति न केवल पर्यावरण, बल्कि जन स्वास्थ्य के लिए भी बड़ा खतरा है।

जिरीबाम मामले में एसपी को हटाने का आदेश

जिरीबाम। जिरीबाम में हुई गोलीबारी और उसमें एक युवक की मौत पर मणिपुर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। सरकार के गृह विभाग ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (युद्ध) नेक्टर संजेनबाम को जिम्मेदारियों से मुक्त करने का फैसला किया है। साथ ही इस घटना में उच्च स्तरीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं। मणिपुर सरकार के गृह विभाग ने एक आदेश जारी कर जिरीबाम गोलीबारी मामले में जांच के लिए दो सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। उल्लेखनीय है कि रविवार रात को जिरीबाम के बाबूपारा इलाके में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई भिड़ंत में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई थी और एक अन्य घायल हुआ था।

10 साल में जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित इलाकों में हिंसा 70% कम हुई : शाह

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले दस वर्षों में जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित हिस्सों में हिंसा को 70 फीसदी तक कम किया है। यह बयान उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में आयोजित 50वें अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान सम्मेलन के शुभारंभ के मौके पर दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले दशक में भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे अधिक वैज्ञानिक और तेज होगी।

'पिछले दस वर्षों में हिंसा में 70 फीसदी तक की कमी'

शाह ने कहा, जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को अत्यधिक अशांत क्षेत्र माना जाता था। लेकिन आज इन तीनों क्षेत्रों में सुरक्षा की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। बीते दस वर्षों के आंकड़ों की तुलना में आंकड़ों को देखें तो हमने हिंसा में 70 फीसदी तक की कमी की है। गृह मंत्री ने कहा, तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से अब किसी भी थाने में प्राथमिकी दर्ज होने पर तीन साल के भीतर सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिलेगा।

खबर संक्षेप

दो बच्चों की मां मायके से प्रेमी संग फरार

छपरा। छपरा के परसा थाना क्षेत्र के एक गांव में दो बच्चों की मां के मायके से फरार होने का मामला सामने आया है। महिला के भाई अंजनी गांव निवासी ने परसा थाना में इस संबंध में लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज करायी है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने जानकारी दी की महिला के मायके वालों ने थाना में आवेदन देकर महिला के गायब होने की सूचना दी है। उन्होंने आशंका जतायी कि महिला किसी अन्य व्यक्ति के साथ भाग गयी है। थाना प्रभारी ने बताया कि आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है और महिला की तलाश शुरू कर दी गयी है। पुलिस इस मामले में हर एंगल से जांच कर रही है और पता लगाने की कोशिश कर रही है कि महिला किसके साथ और किन परिस्थितियों में घर छोड़कर गयी है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि महिला दो बच्चों की मां है और कुछ समय से अपने मायके में रह रही थी। बीते सप्ताह वह घर से बजार करने गयी और अचनाक गायब हो गयी। घरवालों ने उसे देर शाम तक घर लौटने का इंतजार करते रहे मगर घर नहीं लौटी तो उन्होंने आसपास व रिश्तेदार के पास तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

युवक को ट्रक ने कुचला

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद जिले के बारुण थाना क्षेत्र में NH-19 पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। घटना मंगलवार की है, जब झारखंड के धनबाद जिले के पुटकी थाना क्षेत्र के जटीडीह गांव निवासी 35 वर्षीय मधुकर हरिजन अपनी बाइक से डिहरी ऑन सोन से घर लौट रहे थे। गैमन पुल के पास तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

चुनाव ड्यूटी में तैनात मतदान कर्मी की हार्ट अटैक से मौत

धनबाद। धनबाद में चुनाव ड्यूटी में तैनात मतदान कर्मी कार्तिक घोष (56 वर्ष) की मौत मंगलवार को हो गई। वह मंगलवार को निरसा पॉलिटेक्निक स्थित डिस्पैच सेंटर में ईवीएम कलेक्ट करने के लिए गए हुए थे। इस दौरान उनको बेचैनी हुई और वह बेहोश होकर गिर पड़े। जांच में पता चला कि उन्हें हार्ट अटैक आया था, जिस वजह से उनकी जान गयी। मतदान कर्मी कार्तिक घोष की तबीयत बिगड़ने के बाद धनबाद के निरसा पॉलिटेक्निक में तैनात मेडिकल टीम ने उनका प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद 108 एंबुलेंस के जरिये उन्हें धनबाद के एसएनएमएमसीएच अस्पताल में ले जाया गया। लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया था। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उपचुनाव के लिए आज मतदान

- 9 सीटों पर कुल 90 उम्मीदवार मैदान में
- सीटें विधायकों के लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद हुई हैं खाली
- 34 लाख से अधिक वोटर अपने प्रतिनिधि का चुनाव करेंगे

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए वोटिंग बुधवार को होनी है । सभी 9 सीटों पर कुल 90 उम्मीदवार मैदान में हैं । आठ सीटें विधायकों के लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद खाली हुई हैं । वहीं सीसामऊ सीट सपा विधायक इरफान सोलंकी को आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद खाली हुई है।

इन सीटों पर है उपचुनाव

यूपी में जिन नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं, उनमें कटेहरी (अंबेडकरनगर), करहल (मैनपुरी), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर शहर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) शामिल हैं । इन सीटों पर कल मतदान होंगे । जिसके नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे ।

कोई नहीं पाक साफ

उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव के उम्मीदवारों की ओर से घोषित आपराधिक मामले 90 में से 29 (32%) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जबकि 27% उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। समाजवादी पार्टी के 9 में से 4 (44%), बहुजन समाज पार्टी के 9 में से 2 (22%), आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) 8 में से 4 (50%) भारतीय जनता पार्टी के 8 में से 6 (75%), उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। उम्मीदवारों द्वारा घोषित गंभीर आपराधिक मामलों में बहुजन समाज पार्टी के 22%, भारतीय जनता पार्टी के 50%, समाजवादी पार्टी के 33%, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) 38% उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

इन दो सीटों पर कैंडिडट आजमा रहे किस्मत

यूपी उपचुनाव में कुल 90 उम्मीदवार मैदान में हैं । सबसे ज्यादा उम्मीदवार गाजियाबाद विधानसभा सीट से मैदान में हैं । यहां कुल 14 उम्मीदवार उपचुनाव लड़ रहे हैं । वहीं, सबसे कम उम्मीदवार खैर और सीसामऊ सीटों से मैदान में हैं । दोनों सीटों पर पांच-पांच उम्मीदवार इस उपचुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं ।

नौ सीटों पर किस पार्टी का पलड़ा भारी

साल 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में सीसामऊ, कटेहरी, करहल और कुंदरकी सीटों पर सपा ने जीत दर्ज की थी । जबकि भाजपा ने फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां और खैर विधानसभा सीट पर अपना परचम लहराया था । वहीं मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट रालोद के अकाउंट में थी । बता दें कि राष्ट्रीय लोकदल अब भाजपा की सहयोगी है ।

सपा के पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति की मुश्किलें बढ़ी

लखनऊ में आयकर विभाग ने कुर्क की बेनामी संपत्ति

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी सरकार में खनन मंत्री रहे गायत्री प्रसाद प्रजापति की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। इनकम टैक्स विभाग ने पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति पर शिकंजा कस लिया है। आईटी की टीम लगातार गायत्री की बेनामी संपत्ति पर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में मंगलवार को इनकम टैक्स की टीम ने लखनऊ में पूर्व मंत्री की बेनामी संपत्ति पर कार्रवाई की है। आईटी ने गायत्री प्रसाद प्रजापति की बेनामी संपत्ति पर कुर्की की कार्रवाई की है। दरअसल इनकम टैक्स की टीम ने

सपा सरकार में खनन मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति की खरगापुर स्थित जमीन पर कुर्की की कार्रवाई की है। ये कार्रवाई आयकर विभाग की बेनामी निषेध इकाई ने की है। आईटी ने गायत्री प्रसाद प्रजापति की खरगापुर स्थित 278.8 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली जमीन को पर कुर्की का बोर्ड लगा दिया है।

सपा सरकार में खनन मंत्री रह चुके हैं गायत्री प्रसाद

नोटिस बोर्ड के जरिये बताया गया है कि लखनऊ के खरगापुर स्थित यह संपत्ति (भूमि) खसरा संख्या 231 का प्लाट 1A है, जिसका कुल क्षेत्रफल 278.8 वर्ग मीटर है। इसके हिताधिकारी स्वामी गायत्री प्रसाद प्रजापति हैं। बता दें, गायत्री प्रसाद प्रजापति सपा सरकार में खनन मंत्री रह चुके हैं। आयकर विभाग के बेनामी निषेध इकाई लखनऊ की ओर से लगाए गए नोटिस बोर्ड के जरिये बताया गया कि बेनामी संपत्ति लेन-देन (निषेध) अधिनियम 1988 के अंतर्गत आयकर विभाग लखनऊ के द्वारा अंतिम रूप से कुर्क की जाती है। अतः इस संपत्ति की खरीद-बिक्री अथवा अन्य किसी प्रकार का हस्तांतरण निषेध है।

1000 से ज्यादा बच्चों के लिए नए स्कूल

एजेंसी । पटना

मंगलवार को पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 9 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। पटना में डुमरी हॉल्ट और पोठही रेलवे स्टेशन के बीच सड़क ओवरब्रिज के निर्माण के लिए 109 करोड़ 21 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। लखीसराय में राजमार्ग को बेहतर करने के लिए 44 करोड़ 91 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। छपरा में बाईपास से मेडिकल कॉलेज तक फोर लेन सड़क निर्माण के लिए 43 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। कैबिनेट ने पटना जिले के मसौढ़ी में 880 छात्रों की क्षमता वाले अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय के निर्माण के लिए 56 करोड़ 42 लाख रुपये की मंजूरी दी है। पश्चिमी चंपारण के चनपटिया में भी 560 छात्रों की क्षमता वाले स्कूल का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 50 करोड़ 47 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में छात्रों के भोजन, वस्त्र और साफ-सफाई के लिए जीविका से सेवाएं लेने की भी मंजूरी दी गई है।

झांसी हादसे के बाद भी सबक नहीं

- मुरादाबाद जिले में 500 से अधिक अस्पताल
- फायर एनओसी सिर्फ 153 के पास

एजेंसी । मुरादाबाद

मुरादाबाद जिले के सरकारी और गैर सरकारी अस्पतालों में आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं, जिससे आग लगने पर मरीजों की जान बचाना काफी मुश्किल होगा। जिला अस्पताल एवं जिला महिला अस्पताल में भी आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम न होना व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।

अभी कुछ दिन पहले ही झांसी के मेडिकल कॉलेज के शिशु वार्ड में बड़ा अग्निकांड हुआ और उसमें कई शिशुओं की जान भी चली गई। इसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग अस्पतालों में फॉयर सेफ्टी के प्रति गंभीरता नहीं दिख रहा है। जिला अस्पताल, जिला महिला

अस्पताल के अलावा अन्य 54 सरकारी अस्पताल हैं। इनके अलावा जिले में 500 से अधिक छोटे-बड़े अस्पताल, नर्सिंग होम व क्लीनिक हैं, लेकिन फॉयर सेफ्टी के मामले में ये सब बेफिक्र हैं। हैरत की बात यह भी है कि जिले में आखिर सीएमओ कार्यालय से कितने अस्पताल पंजीकृत हैं, इसकी सूची भी अग्निशमन विभाग के पास नहीं है।

बिहार में शिक्षकों की ट्रांसफर-पोस्टिंग पर रोक

पटना हाई कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

एजेंसी । पटना

बिहार में ट्रांसफर की राह देख रहे शिक्षकों को पटना हाई कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। पटना हाई कोर्ट ने बिहार में शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग पर रोक लगा दी है। हाई कोर्ट ने सरकार ने तबादला नीति को और स्पष्ट करने को कहा है। कोर्ट ने सरकार को तीन सप्ताह का वक्त दिया है। सरकार की ओर से हलफनामा दायर होने के बाद इसपर अंतिम फैसला लिया जायेगा। पिछले दिनों शिक्षकों के लिए ट्रांसफर-पोस्टिंग पॉलिसी आई थी। च्वाइस पोस्टिंग के लिए शिक्षा विभाग की तरफ से आवेदन भी

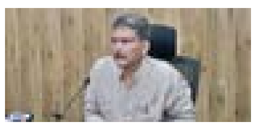

लिए जा रहे थे। पटना हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को तीन सप्ताह में स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। जस्टिस प्रभात कुमार सिंह की कोर्ट ने ट्रांसफर/पोस्टिंग नीति के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। हाई कोर्ट ने शिक्षकों के ट्रांसफर/पोस्टिंग पर फिलहाल स्टे लगा दिया है। हाई कोर्ट के इस निर्णय के बाद ट्रांसफर का इंतजार कर रहे बिहार के लाखों शिक्षकों के साथ साथ राज्य सरकार को भी बड़ा झटका लगा है।

केंद्रीय मंत्री की पुलिस को फटकार

एजेंसी । मिर्जापुर

मिर्जापुर जिले के विंध्याचल थाना क्षेत्र के कुरौठी पांडेय गांव में पिटाई से घायल कार्यकर्ता से मिलने मंगलवार को केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल अस्पताल पहुंचीं। इस दौरान विपक्षियों पर कार्रवाई न होने पर मंत्री पुलिस अधिकारियों पर भड़क गईं। मुकदमा दर्ज न होने पर जमकर फटकार लगाया।

मां कह रही, बच्ची को उठा ले जा रहे

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मां कह रही है कि बच्ची को उठा ले जा रहे हैं। इतनी गुंडागर्दी हो गई है। 24 घंटे होने को है। कोई कार्रवाई नहीं हुई। न मुकदमा हुआ न मेडिकल हुआ। लग रहा है इसको मर जाना चाहिए था तब शायद पुलिस जागती। यह शर्म की बात है। विंध्याचल को ड्रग्स बेचवाने से फुर्सत नहीं है। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता है।

बेटी को ले जाने का विरोध करने पर पीटा

विंध्याचल थाना क्षेत्र निवासी कार्यकर्ता के घर में घुस कर लोगों ने शराब पी। मना किया तो पुत्री को उठा कर ले जाने लगे। पिता ने विरोध किया तो पिता को मार-मार कर उसका सिर फोड़ दिया। मां की हड्डी-पसली तोड़ दिया। इतनी शर्मनाक बात है कि अभी तक हमारी पुलिस सो रही है। कहा कि उत्तर प्रदेश और देश की सरकार जीरो टालरेंस पर काम करती है।

सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 873 अंक फिसला

ये 77,578 के स्तर पर बंद हुआ, निफ्टी भी हाई से करीब 262 अंक गिरा

एजेंसी । मुंबई

सेंसेक्स 19 नवंबर को 240 अंक की तेजी के साथ 77,578 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 65 अंक चढ़ा। ये 23518 पर बंद हुआ। हालांकि, दिन के ऊपरी स्तर से सेंसेक्स में 873 अंक की गिरावट देखने को मिली। सुबह सेंसेक्स करीब 1000 अंक ऊपर था। वहीं ऊपर स्तर से निफ्टी 262 अंक फिसल गया।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में बढ़त और 12 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। आज ऑटो, एनर्जी और IT शेयर्स में ज्यादा बढ़त देखने को मिली। M&M के शेयर में 3% और टाटा मोटर्स के शेयर में करीब 1.3% की तेजी रही।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.51% की बढ़त रही। वहीं कोरिया के कोस्पी में 0.12% की तेजी और चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.67% की गिरावट देखने को मिली।

मनबा फाइनेंस ने पियाजियो के साथ साइन किया MoU

लीजिंग नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी मनबा फाइनेंस लिमिटेड ने पियाजियो व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड (PVPL) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस खबर से मनबा फाइनेंस का शेयर आज 1.43% की तेजी के साथ 148.70 रुपए पर बंद हुआ। इस कोलेबोरेशन का मकसद ग्राहकों को कम डाउन पेमेंट ऑप्शन, प्रतिस्पर्धी ब्याज दर और चार साल तक के लोन टेन्योर के साथ टेलर्ड फाइनेंसिंग सॉल्यूशन्स देना है। इंटरनल कंबशन इंजन (ICE) और इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) दोनों वेरिएंट को कवर करते हुए, यह पार्टनरशिप 3W सेगमेंट में एंटरप्रेन्योरशिप को प्रोत्साहित करते हुए भारत के EV ट्रांजीशन को सपोर्ट करती है। वूमन एंटरप्रेन्योर्स के लिए स्पेशल फाइनेंसिंग भी उपलब्ध हैं। इससे पहले 18 नवंबर को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 241 अंक की गिरावट के साथ 77,339 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 78 अंक की गिरावट रही, ये 23,453 के स्तर पर बंद हुआ था।

सितंबर में ईएसआईसी से जुड़े 20.58 लाख लाख श्रमिक

- जुड़ने वालों में 10.05 लाख की आयु 25 वर्ष से कम
- 3.91 लाख महिलाएं भी जुड़ी

एजेंसी । नई दिल्ली

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों से पता चलता है कि सितंबर में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) से 20.58 लाख नए श्रमिक जुड़े हैं। इनमें 10.5 लाख युवा हैं, जिनकी उम्र 25 वर्ष से कम है। इस लिहाज से माना जा सकता है कि पहली बार नौकरी पाने वालों में युवाओं की संख्या भी काफी अच्छी रही है। युवाओं की संख्या कुल पंजीकरण हुए श्रमिकों की संख्या का 48.83 प्रतिशत है। बीते वर्ष की समान अवधि में 18.88 लाख श्रमिक ईएसआईसी में पंजीकृत हुए थे। इस लिहाज से सालाना आधार पर भी 1.70 लाख श्रमिकों की संख्या बढ़ी है। महिलाओं के हिसाब से देखा जाए तो सितंबर में 3.91 लाख महिलाएं ईएसआईसी में पंजीकृत हुई है, जिनमें बड़ी संख्या उन युवा महिलाओं की है, जिन्होंने पहली बार नौकरी शुरू की है। वहीं, 64 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी ईएसआई योजना के तहत पंजीकरण कराया है। ध्यान रहे कि ऐसे कर्मचारी जिनका मासिक वेतन 21 हजार रुपये से कम हो वो सभी कर्मचारी ईएसआईसी से जुड़ने के पात्र होते हैं।

होनासा कंज्यूमर का शेयर 2 दिन में 30% गिरा

स्टॉक गिरकर ₹262 पर आया, कंपनी को दूसरी तिमाही में ₹19 करोड़ का घाटा हुआ

एजेंसी । मुंबई

मामाअर्थ की पेरेंट कंपनी होनासा कंज्यूमर लिमिटेड का शेयर मंगलवार (19 नवंबर) को 10% से ज्यादा गिरा। कंपनी का शेयर 11.61% की गिरावट के साथ 262.75 रुपए पर बंद हुआ। एक दिन पहले भी कंपनी का शेयर 20% गिरा था। इस हिसाब से होनासा का शेयर 2 दिन में अब तक 30% से ज्यादा गिर चुका है। 18 नवंबर को कंपनी का शेयर 20% गिरकर 297.25 रुपए पर आ गया था । कंपनी के खराब तिमाही नतीजों के चलते शेयर में यह लगातार गिरावट देखने को मिल रही है।

होनासा का शेयर पिछले एक महीने में 37.22% गिरा

होनासा का शेयर पिछले एक महीने में 37.22% गिरा है। वहीं कंपनी का शेयर 6 महीने में 38.10% और एक साल में 24.86% गिरा है। होनासा का शेयर इस साल यानी 1 जनवरी 2024 से अब तक 38.44% गिरा है। कंपनी का मार्केट-कैप 8.61 हजार करोड़ रुपए है।

सात्विक ग्रीन एनर्जी ने सेबी के पास 1,150 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा कराए

एजेंसी । नई दिल्ली

सौर पैनल बनाने वाली सात्विक ग्रीन एनर्जी ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी की आईपीओ से 1,150 करोड़ रुपए जुटाने की योजना है। सोमवार को दाखिल दस्तावेजों के मसौदे (डीआरएचपी) के अनुसार, हरियाणा स्थित कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ में 850 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा प्रवर्तक 300 करोड़ रुपए

की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे।

इस समय प्रवर्तकों के पास कंपनी की 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। ताजा निर्गम से मिली राशि का इस्तेमाल ओडिशा में चार गीगावाट सौर पीवी मॉड्यूल विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने, मौजूदा कर्ज चुकाने और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा। कंपनी पर कुल कर्ज जून, 2024 तक 256 करोड़ रुपए था।

हैवेल्स इंडिया राजस्थान में लगाएगी रेफ्रिजरेटर संयंत्र

480 करोड़ रुपए का निवेश करेगी

एजेंसी । घिलोठ

बल्ब, ट्यूबलाइट जैसे बिजली के उपभोक्ता सामान बनाने वाली हैवेल्स इंडिया लि. राजस्थान के घिलोठ में रेफ्रिजरेटर बनाने का कारखाना लगाने के लिए 480 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसने घिलोठ में कारखाना लगाने का फैसला किया है। कंपनी ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि वह घिलोठ में रेफ्रिजरेटर बनाने के लिए एक नया संयंत्र स्थापित करने की संभावना तलाश रही है। हैवेल्स इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि प्रस्तावित कारखाने की क्षमता 14 लाख इकाई की होगी।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
मुंबई, बुधवार, 20 नवंबर 2024

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसके घर में खूब बोलता है इस विकेटकीपर बल्लेबाज का बल्ला

पंत साबित हो सकते हैं तुरुप का इक्का

नंबर गेम

- 21 महीने के बाद मैदान पर वापसी की भी भयावह सड़क दुर्घटना के बाद पंत ने
- 650 रन इस सत्र में सभी प्रारूपों के 16 मैचों में 36.11 की औसत से बनाए

एजेंसी | नई दिल्ली

तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक और खुलकर खेलने वाले ऋषभ पंत ऑस्ट्रेलिया में टीम इंडिया के लिए एक बार फिर से तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं। पिछले दौरे में कंगारुओं का उनके घर में गुरूर तोड़ने में इस भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ने अहम भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वह खूब रन बनाते हैं। लाल गेंद के क्रिकेट में करियर की सबसे बड़ी पारी (159 नाबाद) कंगारुओं के खिलाफ उसी के घर पर खेली थी। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ग्लेन मैक्ग्रा और कप्तान पैट कमिंस भी मान चुके हैं कि पंत भारत के लिए एक्स फैक्टर साबित होगा।

पर्थ में 22 नवंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट में कप्तान रोहित और शुभमान गिल की गैरमौजूदगी में पंत पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में पंत टीम इंडिया के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। अन्य बल्लेबाज यहां कीवियों के सामने जूझते नजर आए वहीं पंत ने बेधड़क होकर उनका सामना किया।

दमदार वापसी

भयावह दुर्घटना का शिकार होने के बाद बाएं हाथ के 27 साल के इस बल्लेबाज ने धमाकेदार वापसी की है। उनकी बल्लेबाजी देखकर लगा ही नहीं कि वह कभी मैदान से दूर रहे हों। उन्होंने वापसी के बाद पहला टेस्ट चेन्नई में सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ खेला। इसमें पहली पारी में 39 रन बनाने के बाद दूसरी में 109 रन की बेखौफ पारी खेल डाली। न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में वह एक रन से शतक से चूक गए। अंतिम और तीसरे टेस्ट में मुंबई में तो वह अकेले टीम को क्लीन स्वीप से बचाने में डटे रहे। दोनों पारियों में उन्होंने अर्धशतक जड़े पर टीम को जीत नहीं दिला सके। दोनों पारियों में उनका स्ट्राइक रेट 101 से ज्यादा रहा।

स्पिनरों के खिलाफ भी

पंत तेज गेंदबाजों के खिलाफ ही नहीं स्पिनरों के खिलाफ भी खेलने में महारथ हासिल है। न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में जहां अन्य भारतीय फिरकीबाजों के खिलाफ धराशायी हो रहे थे वहीं पंत उनकी गेंदों को सीमा रेखा के बाहर भेज रहे थे। वह कीवी स्पिनरों के खिलाफ पांच पारियों में तीन बार आउट हुए। हालांकि इस दौरान उन्होंने 66 की औसत से 198 रन भी इनके खिलाफ बनाए।

गाबा की वह पारी

पिछली बार पंत के दम पर ही टीम इंडिया ने कंगारुओं को पटखनी दी थी। भारत ने चार मैचों की सीरीज सीरीज 2-1 से जीती थी। ब्रिस्बेन के गाबा स्टेडियम में चौथे और अंतिम टेस्ट में उनकी 89 रन की नाबाद पारी की गूंज अब तक कंगारुओं को भूली नहीं होगी। उनकी इस पारी से भारत ने 328 रन का विशाल लक्ष्य सात विकेट खोकर हासिल कर लिया था।

बनेंगे तीन हजारी

बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान पंत टेस्ट में तीन हजार रन भी पूरे कर सकते हैं। वह इससे 307 रन दूर हैं। वह अब तक 38 मैचों की 66 पारियों में 44.14 की औसत से छह शतकों और 14 अर्धशतकों से 2693 रन बना चुके हैं। इस दौरान पर टेस्ट में तीन सौ चौके भी पूरे करेंगे। इससे वह चार दूर हैं।

विराट चैंपियन हैं : लियोन

एजेंसी | पर्थ

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन विराट कोहली का काफी सम्मान करते हैं। उनका कहना है कि वह ऐसे चैंपियन हैं जिन्हें कभी नकारा नहीं जा सकता। कोहली ने पिछले कुछ महीने में बड़ी पारी नहीं खेली है। पिछली 60 टेस्ट पारियों में वह सिर्फ दो शतक और 11 अर्धशतक लगा सके हैं। इस साल छह टेस्ट में उनका औसत सिर्फ 22.72 रहा है। लियोन ने कहा, उसका संपूर्ण रिकॉर्ड देखिए। आप चैंपियंस को नकार नहीं सकते। मेरे मन में उनके लिए अपार सम्मान है। मैं उन्हें आउट करना चाहता हूं लेकिन यह चुनौतीपूर्ण होगा। इतनी बार उनके खिलाफ खेलना अद्भुत रहा है। वह और स्मिथी (स्टीव स्मिथ) पिछले दशक के आखिरी दौर के दो सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से हैं।

टेस्ट सीरीज में बावुमा दक्षिण अफ्रीका के कप्तान

एजेंसी | केप टाउन

दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कप्तान तेंबा बावुमा अपनी कोहनी की चोट से ठीक हो गए हैं और अब श्रीलंका और पाक के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए उपलब्ध होंगे। बावुमा की अगुआई में दक्षिण अफ्रीका की टीम इन दोनों सीरीज में, अगले साल लॉर्ड्स में होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेगी। इसके लिए दक्षिण अफ्रीका को ये सभी चार टेस्ट मैच जीतने होंगे। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की 14 सदस्यीय टीम में मार्को यानसेन और गेराल्ड कोएत्जी भी शामिल हैं। इसके अलावा एम्बुलडेनिया और ओशादा फर्नांडो की भी टीम में वापसी हुई है।

अगर कोहली से उलझे तो भुगतना पड़ेगा खामियाजा : वाटसन

एजेंसी | पर्थ

पूर्व ऑलराउंडर शेन वाटसन ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को सलाह दी है कि वे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में विराट कोहली के साथ उलझने से बचें। उनका मानना है कि यह दिग्गज भारतीय बल्लेबाज उकसाने के बाद जिस जज्बे से खेलता है, वह उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराता है। कोहली पिछले कुछ समय से टेस्ट क्रिकेट में खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। इस साल वह छह टेस्ट में सिर्फ 250 रन बना सके हैं जिसमें 70 रन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। लेकिन अतीत में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन किया है। कोहली को उकसाने का अधिकतर ऑस्ट्रेलिया को खामियाजा ही भुगतना पड़ा है और वाटसन ने स्वयं इसका अनुभव किया है। पूर्व ऑलराउंडर वाटसन ने 'विलो टॉक पॉडकास्ट पर कहा, विराट मैच में प्रत्येक गेंद में जो जज्बा लाता है वह शानदार है। लेकिन हाल के दिनों में ऐसे क्षण आए हैं, जब उनके अंदर की यह आग बुझने लगी है क्योंकि मैच के हर लम्हें में उस तीव्रता को बनाए रखना बहुत कठिन है। और यहीं ऑस्ट्रेलिया को उसे अकेला छोड़ देना चाहिना और उम्मीद करनी चाहिए कि वह यह जज्बा नहीं ला पाए। पांचवीं बार ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर आए कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में 13 टेस्ट में छह शतक और चार अर्धशतक से 1352 रन बनाए हैं जिसमें 169 रन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

बुमराह बिल्ली की तरह दबे पांव कर जाते हैं कमाल : ब्रेट

एजेंसी | पर्थ

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पहले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट जगत में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने उन्हें एक्स फैक्टर कहा तो पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि बिल्ली की तरह दबे पांव आकर कमाल कर जाते हैं। बुमराह शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे पहले टेस्ट में भारत की कप्तानी करेंगे। स्थानीय मीडिया के अनुसार सत्तर के दशक में वेस्टइंडीज तेज आक्रमण के स्वर्णिम दौर के बाद पहली बार किसी तेज गेंदबाज ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को भयाक्रांत कर दिया है। बुमराह ने पिछले दो टेस्ट दौरों पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 32 विकेट लिए थे। इसमें 2018 बॉक्सिंग डे टेस्ट पर लिए गए छह विकेट शामिल हैं।

बल्लेबाजी स्टांस में बदलाव से फॉर्म में लौटे कैरी

एजेंसी | पर्थ

भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले अपने बल्लेबाजी स्टांस में थोड़ा बदलाव करने से ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी जबर्दस्त फॉर्म में लौट आए हैं। उन्होंने कहा, मैंने मामूली सा बदलाव किया है लेकिन इसका फायदा मिल रहा है। जब आप खेलते रहते हैं तो आपको कई चीजों पर काम करने का मौका नहीं मिलता। मैंने खाली समय में इस पर काम किया और अब बहुत अच्छा लग रहा है। मैं बल्ले को थोड़ा ऊपर से पकड़ रहा हूं। इससे रिएक्शन के लिए ज्यादा समय मिल रहा है।

शेफाली की छुट्टी, रिचा की वापसी

एजेंसी | नई दिल्ली

पिछले लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रही युवा ओपनर शेफाली वर्मा को वनडे टीम से बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन में पांच दिसंबर से शुरू होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए रिचा घोष, प्रिया मिश्रा और हरलीन देयोल की 16 सदस्यीय भारतीय महिला टीम में वापसी हुई है। इनके अलावा मंगलवार को घोषित टीम में युवा स्पिनर मिन्नू मनी और तेज गेंदबाज टिटास साधू की भी वापसी हुई है। शेफाली की गैरमौजूदगी में स्मृति मंधाना के साथ यास्तिका भाटिया ओपनिंग करेंगी।

17 माह से नहीं लगाया अर्धशतक

20 वर्षीय शेफाली वनडे में बड़ी पारी नहीं खेल पा रही हैं। उन्होंने पिछले 17 माह से कोई अर्धशतक नहीं जड़ा है।

'मैं बाथरूम में रोता हूं'

शाहरुख खान ने असफलताओं पर खुलकर की बात

शाहरुख खान मनोरंजन जगत के लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक हैं। न सिर्फ देश, बल्कि विदेशों में भी उनका सिक्का चलता है। इस वक्त किंग खान दुबई में हैं। हाल ही में उन्होंने दुबई में ग्लोबल फ्रेट शिखर सम्मेलन में भाग लिया, जहां उन्होंने अपनी निजी और पेरेशवर जिंदगी के बारे में खुलकर बारे की। इस सम्मेलन में शाहरुख ने बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों के असफल होने के बारे में भी बात की।

शाहरुख ने कही ये बात

शाहरुख ने कहा, ₹जब आप असफल होते हैं, तो आपको यह नहीं मानना चाहिए कि आपका उत्पाद या सेवा या नौकरी गलत हो गई।₹ जब शाहरुख से पूछा गया कि क्या वे कभी अपने काम की आलोचना करते हैं तो शाहरुख ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया। उन्होंने आगे कहा, ₹हां, मैं करता हूं। मुझे ऐसा महसूस करना बिल्कुल पसंद नहीं है और मैं अपने बाथरूम में बहुत रोता हूं। मैं इसे किसी को नहीं दिखाता।₹

'किंग' की शूटिंग में व्यस्त हैं शाहरुख

मौजूदा वक्त में शाहरुख अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान सिद्धार्थ आनंद ने संभाली है। इस फिल्म में किंग खान अपनी बेटी और अभिनेत्री सुहाना खान के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। वह खलनायक बन पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'किंग' ईद, 2026 के खास मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

जाह्नवी कपूर ने नयनतारा को बताया 'साहसी महिला'

दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री नयनतारा पिछले कुछ समय से अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'नयनताराः बियॉन्ड द फेयरी टेल' को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। यह डॉक्यूमेंट्री बीते दिन 18 नवंबर को OTT प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। अब अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने हाल ही में 'नयनताराः बियॉन्ड द फेयरी टेल' डॉक्यूमेंट्री देखी और नयनतारा को 'साहसी महिला' बताया। इसके साथ जाह्नवी ने खुलकर अभिनेत्री की तारीफ भी की है।

जाह्नवी ने लिखी ये बात

जाह्नवी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर डॉक्यूमेंट्री 'नयनताराः बियॉन्ड द फेयरी टेल' का एक पोस्टर साझा किया और लिखा, 'एक सशक्त महिला को मजबूत बनते देखने से अधिक प्रेरणादायक और कुछ भी नहीं हो सकता।' इस डॉक्यूमेंट्री में नयनतारा की निजी और पेशेवर जिंदगी से जुड़े कई अनसुने किस्से सामने आए हैं। इस डॉक्यूमेंट्री में सरोगेसी के जरिए नयनतारा के मां बनने और उससे जुड़े विवाद को भी दिखाया जाएगा। नयनतारा ने सरोगेसी के जरिए जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था।

श्रद्धा आर्या ने छोड़ा टीवी शो 'कुंडली भाग्य'

छोटे पर्दे की जानी-मानी अभिनेत्री श्रद्धा आर्या इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, वह जल्द ही मां बनने वाली हैं। अब इस बीच श्रद्धा ने टीवी शो 'कुंडली भाग्य' छोड़ने का फैसला किया है। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक भावुक कर देने वाला वीडियो साझा किया है। इसके साथ उन्होंने भावुक कर देने वाला नोट लिखा है। बता दें कि श्रद्धा पिछले 7 साल से प्रीता बन दर्शकों का मनोरंजन कर रही थीं।

मैं 'कुंडली भाग्य' को अलविदा कहती हूं : श्रद्धा

श्रद्धा ने लिखा, 'आप विश्वास नहीं करेंगे कि मैंने इस कैप्शन को कम से कम 25 बार लिखा और डिलीट किया है। कोई भी शब्द सही मायने में वर्णन नहीं कर सकता कि इस पल मेरे दिल में क्या है। मैं 'कुंडली भाग्य' को अलविदा कहती हूं।' उन्होंने लिखा, 'इस शो ने मुझे बड़ा होते देखा... एक मूर्ख-नासमझ युवा लड़की से एक शादीशुदा जिम्मेदार मां बनने वाली। यह यात्रा मेरे दिल के बहुत करीब रही है। एकता कपूर को धन्यवाद।'

सुर्खियों में 'विश्वंभरा'

साउथ के लोकप्रिय अभिनेता और गिनीज रिकॉर्ड विजेता चिरंजीवी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'विश्वंभरा' को लेकर भी सुर्खियों में हैं। फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पिछले महीने ही निर्माताओं ने फिल्म का टीजर रिलीज किया था, जिसे लेकर दर्शको नें मिश्रित प्रतिक्रियाएं दी थीं। अब इस फिल्म को लेकर एक नई बातें सामने आ रही हैं, जिसमें बताया जा रहा है कि फिल्म की टीम इस वक्त जापान में है, जहां फिल्म की मुख्य जोड़ी एक रोमांटिक गाना फिल्मा रही है। 123 तेलुगु डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की टीम इस वक्त एक रोमांटिक गाने की शूटिंग के लिए जापान में है। इसे चिरंजीवी और तृषा कृष्णन के ऊपर फिल्माया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, गाने की शूटिंग अब अंतिम चरण में है और इसके बाद फिल्म की टीम 21 नवंबर 2024 को वापस भारत लौट आएगी। अभिनेता के फैंस इस बात से काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि उन्हें फिल्म में अपने चहेते कलाकार का दमदार अंदाज देखने को मिलेगा। बीते दिनों निर्माताओं द्वारा जारी किए गए टीजर में शानदार एक्शन सीक्वेंस दिखाए गए हैं, जिसमें चिरंजीवी अपने दुश्मनों पर गदा से वार करते हुए दिखाई देते हैं।

राज्य की 19 हॉट सीटों पर एक नजर...

देश के सबसे समृद्ध राज्य महाराष्ट्र में बुधवार यानी 20 नवंबर को चुनाव होना है। महाराष्ट्र की जनता 20 नवंबर को विधानसभा की 288 सीटों के लिए वोटिंग करेगी। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व महायुति गठबंधन और विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियां अपनी-अपनी जमीन मजबूत करने के लिए जमकर मेहनत करती नजर आईं तो इनके सहयोगी दलों शिवसेना-शिंदे, एनसीपी-अजित पवार, शिवसेना-उद्धव, एनसीपी-शरद पवार ने भी अपनी-अपनी सियासी स्थिति मजबूत करने के लिए जोर-शोर से प्रचार किया। उम्मीदवारों की किस्मत आज ईवीएम में कैद हो जाएगी। हालांकि, किसके सिर पर ताज सजेगा, इसका फैसला तो 23 नवंबर को ही होगा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 19 हॉट सीटों पर कांटे की टक्कर हैं, जिन पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं। यहां देखिए कौन-सी हैं वे सीटें...

ठाणे जिले में आने वाली इस सीट से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे चुनाव लड़ रहे हैं। इस जिले को शिवसेना का गढ़ माना जाता है। शिंदे 2004 में पहली बार ठाणे सीट से विधायक चुने गए थे। इसके बाद पिछले तीन चुनाव कोपरी-पचपखड़ी सीट से 50% से ज्यादा वोट पाकर जीत रहे हैं। 2019 के चुनाव में उन्हें करीब सवा लाख वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस के संजय पांडुरंग ने सिर्फ 24,197 वोट पाए थे। हालांकि, इस बार मुकाबला शिवसेना वर्सेज शिवसेना का है। पार्टी में टूट के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव है।

असली वर्सेज नकली शिवसेना की जंग

नागपुर दक्षिण-पश्चिम : देवेंद्र छठी बार विधायकी के लिए दौड़ लगा रहे

विदर्भ के केंद्र और RSS के गढ़ नागपुर की इस सीट से देवेंद्र फडणवीस लगातार चौथी बार और कुल छठी बार विधायक बनने की रेस में हैं। 2008 में परिसीमन से पहले वे दो बार नागपुर पश्चिम सीट से विधायक रहे हैं। सिर्फ 22 साल की उम्र में (साल 1992) पहली बार नागपुर नगर निगम के पार्षद बनने वाले फडणवीस अगले टर्म में शहर के मेयर बन गए थे। इसके 2 साल बाद ही वे नागपुर पश्चिम से पहली बार विधायक चुन लिए गए। 2014 में राज्य का मुख्यमंत्री बनने से पहले वे कभी राज्य मंत्री तक नहीं रहे थे।

इस सीट पर मुकाबला और भी दिलचस्प है। यहां NCP वर्सेज NCP की लड़ाई में चाचा-भतीजे आमने-सामने हैं। यह सीट शरद पवार का गढ़ रही है। वे 1967 से 1990 तक लगातार 6 बार इस सीट से विधायक रहे थे। वहीं, 1991 में उपचुनाव के बाद से अब तक अजित पवार 7 बार यहां से जीत चुके हैं। NCP का हाल भी शिवसेना की तरह ही है। फूट के बाद यह पार्टी का पहला विधानसभा चुनाव है। हालांकि, शिंदे की शिवसेना की अपेक्षा अजित की NCP को लोकसभा में ज्यादा नुकसान हुआ था।

बारामती : युगेंद्र उस भूमिका में जिसमें कभी अजित थे

वर्ली : आदित्य के सामने शिवसेना के राज्यसभा सांसद

उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। आदित्य ने 2019 के अपने पहले चुनाव में इसी सीट से जीत दर्ज की थी। उन्होंने NCP के सुरेश माने को करीब 67 हजार वोट से हराया था और महाविकास अघाड़ी (MVA) सरकार में कैबिनेट मंत्री बने थे। मुंबई की यह सीट 1990 से ही शिवसेना के पास रही है। सिर्फ 2009 में NCP के सचिन अहीर यहां से विधायक बने थे। शिंदे गुट की शिवसेना ने राज्यसभा सांसद मिलिंद देवरा को यहां से टिकट दिया है। उनका परिवार करीब 55 सालों से कांग्रेस में था। मिलिंद ने इसी साल जनवरी में कांग्रेस छोड़ी थी।

बालासाहेब ठाकरे का घर मातोश्री इसी सीट में आता है। इस सीट को लेकर कांग्रेस और शिवसेना (UBT) के बीच काफी तनातनी भी रही। वजह यह थी कि पिछली बार यह सीट कांग्रेस ने जीती थी, लेकिन आखिर में सीट शिवसेना (UBT) के खाते में आई। दिग्गज कांग्रेसी नेता रहे बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी ने कांग्रेस के टिकट पर सीट जीती थी। अगस्त, 2024 में जीशान को कांग्रेस ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में बाहर का रास्ता दिखा चुकी थी। इससे पहले उनके पिता बाबा सिद्दीकी अजित गुट की NCP में शामिल हो चुके थे।

बांद्रा पूर्व : त्रिकोणीय मुकाबला, शिवसेना का बागी भी मुकाबले में

मानखुर्द-शिवाजीनगर : भाजपा खिलाफ फिर भी NCP से मलिक को टिकट

मुंबई की इस मुस्लिम बहुल सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के अबू आजमी तीन बार से विधायक हैं और चौथी बार चुनाव लड़ रहे हैं। उन्हें MVA का समर्थन है। आजमी ने वादा किया है कि MVA सरकार आने पर हेट स्पीच के खिलाफ आतंकवाद विरोधी कानून जैसा सख्त कानून बनवाएंगे। वे 2002 से 2008 तक राज्यसभा सांसद भी रहे हैं। इनके सामने कभी सपा में उनके साथी रहे नवाब मलिक, अजित गुट की NCP से चुनाव लड़ रहे हैं।

दक्षिण मुंबई से शिवसेना (UBT) सांसद अरविंद सावंत की अभद्र टिप्पणी के बाद शाइना एनसी लगातार चर्चा में हैं। महायुति की ओर से शिवसेना ने उन्हें मुंबादेवी सीट से टिकट दिया है। टिकट की घोषणा से पहले वे भाजपा में थीं। वे पार्टी प्रवक्ता भी थीं, लेकिन टिकट मिलने के बाद उन्होंने भाजपा से इस्तीफा देकर शिवसेना जॉइन कर ली। कहा जा रहा है भाजपा-शिवसेना के शीर्ष नेतृत्व की सहमति से ही शाइना को टिकट मिला है।

मुंबादेवी : 50% से ज्यादा मुस्लिम वोटर, फायदा कांग्रेस को मिलेगा

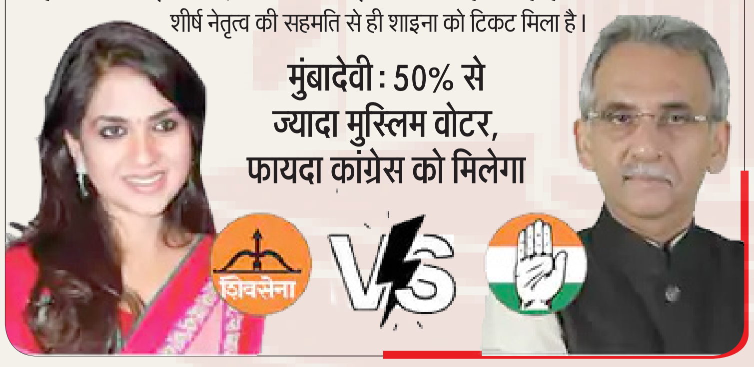

साकोली : विदर्भ की सीट पर कांग्रेस-भाजपा में कड़ी टक्कर

विदर्भ की इस सीट पर हर दफा कांग्रेस और भाजपा में कड़ी टक्कर रहती है। यहां दोनों पार्टियों से विधायक चुने जाते रहे हैं। पिछला चुनाव कांग्रेस के टिकट पर नाना पटोले ने जीता था। वे इस समय महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। हालांकि, उससे पहले लगातार दो बार भाजपा जीती है। 2009 में भाजपा के टिकट पर नाना पटोले ही जीते थे। इसके बाद विधानसभा में विपक्ष के नेता रहते हुए OBC वर्ग के लिए आंदोलन भी चलाया।

लातूर शहर : मराठवाड़ा की इस सीट पर लिंगायत और मुस्लिम निर्णायक

यह सीट 2008 में परिसीमन के बाद सामने आई। लातूर विधानसभा सीट को बांटकर दो सीटें लातूर शहर और लातूर ग्रामीण बनाई गई थीं। इन दो सीटों पर पूर्व मुख्यमंत्री और दिवंगत कांग्रेस नेता विलासराव देशमुख के दो बेटे चुनाव लड़ रहे हैं। विलासराव, लातूर सीट से पांच बार विधायक चुने गए थे। तीन बार से उनके बड़े बेटे अमित देशमुख लातूर शहर से जीत रहे हैं और चौथी बार मैदान में हैं। वहीं, लातूर ग्रामीण से छोटे बेटे धीरज देशमुख चुनाव लड़ रहे हैं। लातूर शहर से अमित के खिलाफ एक और बड़े कांग्रेसी नेता शिवराज पाटिल की बहू डॉ अर्चना पाटिल भाजपा से चुनाव लड़ रही हैं। शिवराज लोकसभा स्पीकर रहे हैं। UPA-1 के समय वे देश के गृह मंत्री थे। 2008 में मुंबई हमले के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था। शिवराज दो बार लातूर सीट से विधायक भी रहे हैं।

मराठवाड़ा की इस सीट पर मुस्लिम और लिंगायत समुदाय का दबदबा है। यहां सबसे ज्यादा वोटर मुस्लिम समुदाय (करीब 1 लाख) के हैं। इसके बाद करीब 85 हजार लिंगायत वोटर हैं। वहीं, 65 हजार OBC और 55 हजार मराठा वोटर हैं। भाजपा प्रत्याशी लिंगायत समुदाय से हैं। इस समुदाय को भाजपा का वोटर माना जाता है। पार्टी को OBC वोटरों का भी साथ मिलने की उम्मीद है। वहीं, मुस्लिम और मराठा देशमुख परिवार का साथ देते आए हैं। इस लिहाज से मुकाबला काफी रोचक हो गया है। अमित तीन बार से विधायक हैं, इसलिए एंटी-इनकंबेंसी एक फैक्टर है।

लातूर ग्रामीण

पिछले चुनाव में NOTA दूसरे नंबर पर था, भाजपा 1.20 लाख से हारी थी

धीरज देशमुख कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। वे 2019 में पहली बार विधायक बने थे। तब उन्होंने शिवसेना (अविभाजित) के सचिन देशमुख को करीब 1.20 लाख वोटों से हराया था। सचिन को सिर्फ 13,524 वोट मिले थे और वे तीसरे नंबर पर रहे थे। करीब 27 हजार वोट के साथ NOTA दूसरे नंबर पर था। इस बार धीरज का मुकाबला भाजपा के रमेश कराड से है। वे OBC नेता हैं लेकिन दो बार इस सीट से चुनाव लड़कर हार चुके हैं। हालांकि, 2014 में वे करीब 10 हजार के मामूली अंतर से कांग्रेस कैंडिडेट त्रिबंकराव भीसे से हारे थे। धीरज के बड़े भाई एक्टर रितेश देशमुख उनके लिए प्रचार कर रहे हैं। वे अपनी सभाओं में कहते आए हैं कि लातूर के खून में कांग्रेस है।

कणकवली

42 वर्षीय भाजपा विधायक पर 38 क्रिमिनल केस, तीसरी बार मैदान में

कोंकण क्षेत्र के इस इलाके का नाम संस्कृत के 'कनकवल्ली' से आया है, जिसका अर्थ होता है 'सोने की भूमि'। पूर्व CM नारायण राणे के छोटे बेटे नितेश राणे इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा ने उन्हें दूसरी बार टिकट दिया है। हालांकि, वे लगातार तीसरी बार इस सीट से मैदान में हैं। वे 2014 में कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए थे। नितेश 2005 से सक्रिय राजनीति में हैं और अपने भड़काऊ बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। उन्होंने साल 2010 में मुंबई के निजी पानी टैंकर माफियाओं के खिलाफ अभियान चलाया था। साथ ही आम लोगों की शिकायत के लिए टोल-फ्री नंबर भी जारी किया था। शिवसेना (UBT) ने उनके सामने संदेश पारकर को उतारा है। वे NCP (अविभाजित), कांग्रेस और भाजपा में भी रहे हैं। संदेश, नारायण राणे के विरोधी रहे हैं। उन्होंने 1999 में तब के CM नारायण राणे के खिलाफ चुनाव भी लड़ा था।

कुडाल

पूर्व CM के बेटे ने भाजपा छोड़ी तो शिंदे ने टिकट दिया

पूर्व CM नारायण राणे के बड़े बेटे नीलेश राणे इस सीट से शिवसेना के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। वे कुछ दिन पहले ही भाजपा छोड़कर आए थे। उनके पिता रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट से भाजपा सांसद हैं। वहीं, छोटे भाई नितेश को भाजपा ने कणकवली सीट से टिकट दिया है। इस वजह से नीलेश को टिकट नहीं मिला तो वे शिवसेना में शामिल हो गए। नीलेश ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत 2009 में कांग्रेस के साथ की थी। वे रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट से सांसद चुने गए थे। हालांकि, 2014 में शिवसेना के विनायक राउत से हार गए। 2017 में उनके पिता ने कांग्रेस छोड़कर 'महाराष्ट्र स्वाभिमान पक्ष' नाम से नई पार्टी बनाई। नीलेश ने 2019 में पिता की पार्टी से लोकसभा चुनाव लड़ा लेकिन विनायक राउत से दोबारा हार गए। इसके बाद अक्टूबर, 2019 में अपने पिता के साथ भाजपा में शामिल हुए थे।

कामठी : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की अपनी सीट पर वापसी, 2019 में कटा टिकट था

नागपुर लोकसभा में आने वाली इस सीट से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले चुनाव लड़ रहे हैं। वे 2004 से तीन बार इस सीट से विधायक रहे थे। 2019 में उनका टिकट काटकर टेकचंद सावरकर को दिया गया। सावरकर यह चुनाव मामूली अंतर से ही जीत पाए। वहीं, विदर्भ की 62 सीटों में भाजपा 44 से 29 पर खिसक गई। माना गया कि चंद्रशेखर का टिकट कटने से तेली समाज नाराज था। वे पार्टी के बड़े OBC चेहरा हैं और तेली समाज से आते हैं। विदर्भ में कुनबी समाज के बाद तेली समाज OBC का दूसरा बड़ा वर्ग है। कुनबी वर्ग को कांग्रेस का वोटर माना जाता है। तेली समाज भाजपा और RSS के साथ रहता आया है, लेकिन 2019 में भाजपा का साथ नहीं दिया। कांग्रेस ने इस बार भी 2019 के प्रत्याशी सुरेश भोयर पर भरोसा जताया है। उन्होंने भाजपा को कड़ी टक्कर दी और करीब 11 हजार वोटों के अंतर से हारे।

माहिम : भतीजे के सामने चाचा ने उतारा अपना कैंडिडेट

मुंबई की इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। यह 30 साल से शिवसेना (अविभाजित) का गढ़ रही है। इस बार यहां शिवसेना के तीन गुटों यानी ठाकरे गुट, शिंदे गुट और राज ठाकरे की MNS में लड़ाई है। MNS की ओर से राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे चुनाव मैदान में हैं। पहले भाजपा ने अमित को समर्थन देने की बात कही थी, लेकिन बाद में मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार ने कहा कि पार्टी सिर्फ शिवडी सीट पर MNS को सपोर्ट करेगी। पार्टी माहिम सीट पर महायुति की ओर से शिवसेना प्रत्याशी सदा सरवणकर का साथ देगी। सरवणकर दो बार से यह सीट शिवसेना (अविभाजित) के टिकट पर जीत रहे हैं। शिवसेना में टूट के बाद सरवणकर ने शिंदे का साथ दिया। इसके ईनाम में शिंदे ने उन्हें तीसरी बार मौका दिया है। हालांकि, सीनियर जर्नलिस्ट जितेंद्र दीक्षित बताते हैं कि सरवणकर पर शिंदे और भाजपा दोनों तरफ से नाम वापस लेने का दबाव था।

अणुशक्ति नगर : विधायक की बेटी के सामने बॉलीवुड एक्ट्रेस के पति

मुंबई की इस मुस्लिम बहुल सीट पर NCP के दिग्गज नेता नवाब मलिक की बेटी सना मलिक चुनाव लड़ रही हैं। नवाब के जेल जाने के बाद वे क्षेत्र में काफी सक्रिय रही थीं। कोरोना के समय भी वे आम लोगों की मदद के लिए आगे आई थीं। पिछले चुनाव में मुंबई की सिर्फ यही सीट NCP (अविभाजित) को मिली थी। वे पार्टी के अकेले मुस्लिम विधायक थे। इसका उन्हें फायदा मिला और उद्धव सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाए गए। अब सना के सामने पिता की विरासत संभालने की चुनौती है। वहीं, शरद पवार की NCP (SP) ने फहाद अहमद को टिकट दिया है। वे बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर के पति हैं। इससे पहले वे समाजवादी पार्टी से जुड़े थे और उसकी यूथ विंग के स्टेट हेड थे।

दिंडोशी : उत्तर भारतीय संजय के सामने मराठी मानुष सुनील प्रभु

इस सीट पर मुकाबला शिवसेना बनाम शिवसेना का है। शिंदे गुट की शिवसेना की ओर से संजय निरुपम चुनाव लड़ रहे हैं। मुंबई के दिग्गज कांग्रेसी नेता रहे संजय लोकसभा चुनाव से पहले शिवसेना में शामिल हुए थे। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत शिवसेना से ही की थी। संजय बिहार के रोहतास से ताल्लुक रखते हैं। वे पेशे से पत्रकार थे और 1993 में शिवसेना के हिंदी मुखपत्र दोपहर का सामना के संपादक के रूप में पार्टी से जुड़े थे। वे 1996 में पहली बार राज्यसभा सांसद बनाए गए। संजय पार्टी में उत्तर भारतीयों का प्रमुख चेहरा थे। 2005 में शिवसेना से अनबन के बाद वे कांग्रेस में शामिल हुए और 2024 तक साथ रहे। संजय के सामने पिछले दो बार से शिवसेना (अविभाजित) विधायक सुनील प्रभु हैं। वे शिवसेना (UBT) के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। सुनील बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) के चार बार पार्षद रहे हैं। साथ ही मुंबई के मेयर भी रह चुके हैं।

येवला : शिवसेना के पहले विधायक थे भुजबल, 3 दशक से NCP में

नासिक की इस सीट पर पिछले 20 सालों से NCP के दिग्गज नेता छगन भुजबल का कब्जा है। पार्टी में टूट के बाद भुजबल अजित गुट की NCP में हैं और 5वीं बार जीत के लिए मैदान में हैं। हालांकि, उन्होंने अपने करियर की शुरुआत शिवसेना से की थी। वे साल 1972 में पहली बार शिवसेना से BMC के पार्षद बने। इसके बाद दो बार मुंबई के मेयर रहे। वे साल 1985 में शिवसेना के पहले विधायक बने थे। भुजबल मझगांव सीट से चुने गए थे। हालांकि, पार्टी ने उन्हें निर्दलीय ही चुनाव लड़ाया था। पार्टी से अनबन के बाद 1991 में भुजबल शरद पवार की कांग्रेस में शामिल हो गए। तब से वे NCP के साथ हैं। दिग्गज OBC नेता भुजबल 2 बार डिप्टी CM भी रहे हैं। वहीं, NCP (SP) ने मणिकराव शिंदे को टिकट दिया है। मणिकराव ने ही 2004 में भुजबल को इस सीट से लड़ने के लिए मनाया था। उनकी जीत में भी मणिकराव की अहम भूमिका थी। बाद में दोनों के रिश्ते खराब हो गए। मणिकराव 2009 में शिवसेना (अविभाजित) की ओर से भुजबल के खिलाफ चुनाव लड़कर हार चुके हैं।

कराड दक्षिण : बुजुर्ग चव्हाण के सामने उनसे आधी उम्र के अतुल

इस सीट से पूर्व CM पृथ्वीराज चव्हाण चुनाव लड़ रहे हैं। दिग्गज कांग्रेसी नेता दो बार से इस सीट से विधायक हैं। उनके माता-पिता भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। चव्हाण के पिता आनंदराव चव्हाण 1957 से 1971 तक कराड लोकसभा से सांसद रहे थे। वे जवाहरलाल नेहरू, लालबहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल का हिस्सा भी रहे थे। उनकी मां प्रेमलता चव्हाण को लोग सम्मान ने 'ताई' कहकर पुकारते थे। वे 1977, 1984 और 1989 में कराड सीट से सांसद रहीं। महाराष्ट्र कांग्रेस की अध्यक्ष भी रहीं। वहीं, पृथ्वीराज चव्हाण भारत लौटने से पहले अमेरिका में एंटी सब्मरीन एयरक्राफ्ट के लिए ऑडियो रिकॉर्डर डिजाइनिंग पर काम कर रहे थे। 1974 में भारत लौटकर आंत्रप्रेन्योर बन गए। राजीव गांधी के कहने पर राजनीति में आए और 1991, 1996 और 1998 में कराड सीट से सांसद रहे। 2002 और 2008 में राज्यसभा सांसद बने। इस दौरान UPA सरकार में मंत्री रहे। इसके बाद चव्हाण 2010 से 2014 तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे।

बांद्रा पश्चिम : आशीष तीसरी बार मैदान में, आसिफ 3 बार के पार्षद

इस हाईप्रोफाइल इलाके में बॉलीवुड के कई फिल्मी सितारों के बंगले हैं। कांग्रेस का गढ़ रही इस सीट पर दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी का दबदबा रहा है। वे 1999 से 2009 तक लगातार तीन बार कांग्रेस विधायक रहे थे। हालांकि, 2014 में भाजपा के आशीष शेलार से हार गए थे। तब से आशीष ही इस सीट पर काबिज हैं और तीसरी बार मैदान में हैं। आशीष ने RSS के रास्ते विद्यार्थी परिषद और युवा मोर्चा से होते हुए मुंबई भाजपा अध्यक्ष तक का सफर तय किया है। वे लंबे समय तक मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) से भी जुड़े रहे। 2015 में वे MCA के उपाध्यक्ष भी चुने गए थे। कांग्रेस ने उनके सामने तीन बार पार्षद रहे आसिफ जकारिया को उतारा है। वे 2019 में भी यहां से चुनाव लड़े थे। उस समय उन्हें करीब 26 हजार वोट से हार का सामना करना पड़ा था। इस इलाके में ईसाई, मुस्लिम, मराठा, OBC और SC का बड़ा तबका रहता है। इसका फायदा जकारिया को मिल सकता है। हालांकि, सीट पर भाजपा का पलड़ा भारी है।